P372

रमा एकादशी पर्व आज

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

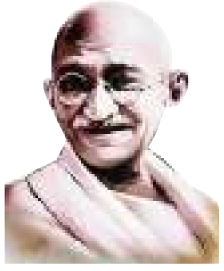
राष्ट्रपिता को नमन...

dainikindoresanket24@gmail.com | इंदौर, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 | ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 289 ■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

2 शहर में ही रहेगा 65 साल का मोती

5 फिल्म 'दि ताज स्टोरी' का ट्रेलर रिलीज

6 एमवायएच-एमटीएच में कर्मचारियों ने काम बंद किया

दिवाली ट्रेंड : 1 ग्राम सोने में 50 ग्राम वाला लुक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सोने की आसमान छूती कीमतों को देखकर इस बार पुष्य नक्षत्र और धनतेरस पर जिस तरह से सोने की खरीददारी को लेकर जो उत्साह नजर आना था, वह नहीं दिखाई दिया। इसके बावजूद भी डेढ़ गुना सोना महंगा होने के चलते ज्वेलर्स ने विकल्प के तौर पर ग्राहकों को नए-नए गहने प्रस्तुत किए। अब दुकानदार ग्राहकों की परेशानियों को भांपते हुए नए-नए ट्रेंड के गहने और चेन तैयार करवा रहे हैं। उनकी सजावटी ट्रे में ऐसे ही सोने के आभूषण नजर आ रहे हैं, जो दिखने में हूबहू वैसी ही भारी और आकर्षक थी। ग्राहक इन्हें हाथों हाथ भी ले रहे हैं, क्योंकि ये वजन में काफी हल्के होने के साथ-साथ जेब पर भी भारी नहीं लग रहे हैं।

पेपर कास्टिंग तकनीक से ढूंढा हल- इस त्योहारी मौसम में हर उस ग्राहक की कहानी है, जो सोना खरीदने की हसरत लेकर बाजार पहुंच रहा है लेकिन रिकॉर्ड कीमतों को देखकर बजट कम पड़ जा रहा है। यह ज्वेलर्स के लिए भी एक नई चुनौती है, जिसका उन्होंने हल निकाल लिया है।

ग्राहकों को सोने की चमक से दूर न जाने देने के लिए सर्राफा कारोबारी अब 'पेपर कास्टिंग' जैसी तकनीकों का सहारा ले रहे हैं। ऐसी ज्वेलरी, जो दिखने में भव्य हो लेकिन वजन में हल्की और कीमत में बजट के अनुकूल हो। शहर के प्रमुख सर्राफा बाजारों में कीमतें भले ही रिकॉर्ड स्तर पर हों, पर ग्राहकों का जोश अभी भी सोने जैसा ही चमक रहा है।

बजट का ख्याल रखने वाली पेपर कास्टिंग

यह तकनीक ज्वेलर्स और ग्राहकों, दोनों के लिए फायदेमंद कही जा सकती है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए, किसी ग्राहक का बजट 3.20 लाख रुपए है और वह एक पारंपरिक चार तोला (40 ग्राम) का भारी दिखने वाला सोने का हार खरीदना चाहता है। मौजूदा समय में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1.24 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम है।

कम वजन और प्राइज में वही डिजाइन-इस साल सोने की खरीदारी का ट्रेंड पूरी तरह बदल गया है। ग्राहक अब अपने बजट में फिट होने वाली लेकिन दिखने में आकर्षक और भारी लगने वाली हल्के वजन की ज्वेलरी की ओर अधिक झुकाव दिखा रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार इस साल हमने अपने कारीगरों के साथ बहुत बारीकी से काम किया है। उनके साथ बैठकर हमने खास तौर पर पेपर कास्टिंग तकनीक से ज्वेलरी तैयार करवाई है। यह गहने वजन में बहुत हल्के होते हैं, लेकिन दिखते बहुत भारी हैं। हमें इसका बहुत ही शानदार और पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोने के भाव बढ़ने के बावजूद ग्राहक बल्क परचेसिंग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पिछले साल के मुकाबले इस साल सोने ने 35% का शानदार रिटर्न दिया है। ग्राहक अब सोने को सिर्फ एक खर्चा नहीं, बल्कि एक ठोस इन्वेस्टमेंट (निवेश) के रूप में देख रहे हैं। इस साल 22 कैरेट के साथ-साथ 18 कैरेट की हल्की ज्वेलरी का ट्रेंड भी जोर पकड़ रहा है।

इस हिसाब से चार तोले के ठोस सोने के हार की कीमत लगभग 4.90 लाख रुपए होगी। ऐसे में ग्राहक का अपने बजट में वह हार खरीदना असंभव है। यहीं पर 'पेपर कास्टिंग तकनीक' काम आती है। इस तकनीक से ज्वेलर उसी डिजाइन का हार तैयार करते हैं, जो बाहर से उतनी ही आकर्षक और भारी दिखाई देती है, लेकिन उसमें सोने का असली वजन काफी कम होता है।

ब्रेकिंग न्यूज

- गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल राज्यपाल से मिलने पहुंचे
- राहुल गांधी पहुंचे हरिओम वाल्मीकि के घर, परिवार ने मिलने से किया इनकार
- तेलंगाना सरकार ने दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों के चुनाव से अयोग्य होने का नियम हटाने का निर्णय लिया
- एकतरफा सीजफायर ने पीओके बनाया, अगर सरदार पटेल होते तो आज यह समस्या नहीं होती- जितेंद्र सिंह
- उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में गोलीबारी, एक की मौत
- वर्ल्ड बैंक अध्यक्ष ने यूपी सरकार की कृषि नीति को छोटे किसानों के लिए सफल बताया
- पेरू में राष्ट्रपति जोस जेरी के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, एक की मौत, कई पुलिसकर्मी घायल
- कर्नाटक के हावेरी में दर्दनाक हादसा, ट्रक से टकराई कार, 3 की मौत
- फिलीपींस के मिंडानाओ में लगे भूकंप के झटके, 6.1 रही तीव्रता

कठिन परीक्षा में फिर खरे उतरे सुमित
नगर पदाधिकारियों के पेच सुलझे

आशीष गुप्ता (9425064357)
दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भाजपा नगर अध्यक्ष पद पर लगभग 10 माह पूर्व पदासीन हुए सुमित मिश्रा अपने कार्यकाल की सबसे बड़ी परीक्षा में उत्तीर्ण होते नजर आ रहे हैं। नगर भाजपा के सभी बड़े नेताओं को मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं के बीच सामंजस्य बिठाकर भाजपा की कार्यकारिणी के गठन की रूपरेखा बनाना जैसा कठिन टॉस्क भी सुमित मिश्रा ने बिना किसी को नाराज किए करने का कार्य किया है। सूत्रों के अनुसार खबर यही आ रही है कि भाजपा पदाधिकारियों के सबसे महत्वपूर्ण महामंत्री पद को लेकर सभी नेताओं के बीच सहमति बन गई है। सबसे ज्यादा दबाव विधानसभा क्षेत्र क्र. 2 और 4 की ओर से आ रहा था। सुमित मिश्रा ने विधानसभा दो और चार के बीच तालमेल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीजेपी की नगर कार्यकारिणी गणेश चतुर्थी पर आनी थी, लेकिन इंदौर के नाम पर हमेशा कुछ न कुछ अटक जाता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ।

सबसे बड़ी लड़ाई नगर महामंत्री पद पर

सबसे ज्यादा लड़ाई और जोर आजमाइश नगर महामंत्री पद पर हो रही है। ये पद सिर्फ तीन हैं, लेकिन दावेदार दर्जन भर से भी ज्यादा हैं। इनमें बड़े नेता, मंत्री और विधायक के करीबी लोग शामिल हैं। वहीं, विधानसभा चार को लेकर सबसे ज्यादा जोर था। यहां विधायक गौड़ की ओर से दो नाम महेश कुकरेजा और वीरेंद्र शेंडगे के सामने आए थे।

अब घोषणा का इंतजार

फिलहाल, कुकरेजा रेस में आगे हैं।

उपाध्यक्ष और मंत्री पद पर करेंगे समायोजित

महामंत्री पद पर जो नहीं आएंगे, उनके लिए उपाध्यक्ष और मंत्री पद पर समायोजन की बात तय हुई है। इसमें महापौर के करीबी भरत पारिख, विधायक गोलू शुक्ला के करीबी दीपेंद्र सोलंकी, वासुदेव पाटीदार, भूपेंद्र केसरी, वरिष्ठ नेता सत्तन गुरू के समर्थक राकेश शर्मा और मेंदोला के करीबी हरप्रीत सूदन के नाम चर्चा में हैं। इसके अलावा, सांसद शंकर लालवानी और विशाल गिदवानी भी अपने करीबी लोगों को आगे बढ़ा रहे हैं। वरिष्ठ नेता सत्तन गुरू के करीबी राकेश शर्मा का नाम उपाध्यक्ष के लिए भी आगे है। मेंदोला के करीबी हरप्रीत बख्शी सूदन भी उपाध्यक्ष की रेस में हैं। वहीं, मंडल अध्यक्ष इंदू श्रीवास्तव मंत्री पद पर दिख सकते हैं। इनकी जगह राजेश तोमर मंडल अध्यक्ष हो सकते हैं। उधर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मंत्री तुलसी सिलावट का खेमा भी अपने समर्थकों को आगे ला रहा है। इनके नामों में पप्पू शर्मा, लक्की अवस्थी और पवन जायसवाल शामिल हैं। इनमें से शर्मा या अवस्थी को समायोजित किए जाने की बात है।

मिश्रा के आने के बाद से ही कार्यालय पर होने लगी जमावट

पार्टी के इंटरनल पत्र में साफ है कि कार्यकारिणी के गठन में कार्यालय मंत्री, कोषाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी पद पर निरंतरता जरूरी है। इसलिए इन पदों में बदलाव तब तक नहीं किया जाएगा, जब तक बहुत जरूरी न हो। लेकिन बीजेपी पार्टी दफ्तर पर नियंत्रण के लिए इन तीन पदों में बदलाव की तैयारी हो रही है। सूत्रों के अनुसार इन तीनों पदों में परिवर्तन करने को लेकर सुमित मिश्रा ने प्रदेश कार्यालय की भी अनुमति ले ली है।

मीडिया प्रभारी के लिए आलोक दुबे जरूर सक्रिय नजर आ रहे हैं, लेकिन अगर अंदरखाने की खबरों को माना जाए तो इस पद पर वरूण पाल की लॉटरी खुल सकती है। वहीं कार्यालय मंत्री के लिए ऋषि सिंह खनूजा की जगह सुमित मिश्रा अपने ही समर्थक विशाल यादव को लाने की योजना बना रहे हैं।

स्ट्रीट वेंडरों की दुकानों के लिए लगी सफेद मार्किंग
दोपहर 12 बजे से नहीं आ सकेंगे ऑटो, कार, सिटी बस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • त्योहारों के दौरान इंदौर के राजवाड़ा इलाके में दुकानों के बाहर सफेद रंग की मार्किंग की गई है। इन सफेद मार्किंग की सीमा के अंदर ही दुकानदारों, स्ट्रीट वेंडर्स को अपनी दुकान लगाने की अनुमति रहेगी। इसके साथ ही पार्किंग के बोर्ड भी लगाए गए है, ताकि लोग पार्किंग में ही अपनी गाड़ी खड़ी करें।

राजवाड़ा पर लगने वाली दुकानों के चलते बड़ी संख्या में लोग यहां खरीदारी करने पहुंचते है, जिसके चलते यहां ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाता है। इसे देखते हुए बुधवार से ही ट्रैफिक पुलिस ने कार,ई-रिक्शा, ऑटो और सिटी बस की एंट्री पर दोपहर 12 से रात 12 बजे तक बंद कर दी है।

राजवाड़ा को लेकर ट्रैफिक प्लान तैयार

राजवाड़ा इलाके में त्योहारों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। कई दुकानें यहां लगती हैं और दूर-दूर से लोग खरीदारी करने आते हैं। इसके चलते यहां जाम और बेतरतीब ट्रैफिक के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसे लेकर पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार किया है।

नंबर वन की सनक, शिक्षा विभाग हुआ परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जिला शिक्षा विभाग एक बार फिर चर्चा में है। विभाग के डीपीसी संजय मिश्रा पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने शिक्षण कार्यों और शैक्षणिक सुधारों से ध्यान हटाकर विभाग को गैर-जरूरी गतिविधियों में उलझा दिया है। सूत्रों के अनुसार, विभागीय अधिकारियों और शिक्षकों में इस बात को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है कि पढ़ाई से जुड़े मूल कार्यों की उपेक्षा की जा रही है, जिससे पूरे विभाग की कार्यकुशलता पर असर पड़ा है। शिक्षा विभाग के भीतर यह चर्चा है कि डीपीसी विभिन्न दिखावटी अभियानों और अनावश्यक बैठकों में अधिक समय दे रहे हैं, जिससे विद्यालयों में नियमित शिक्षण व्यवस्था गड़बड़ा गई है।

वे हर बैठक में सर्व शिक्षा अभियान के हर गतिविधि में जिले को सिरमौर बनाने की बात कहते रहते है, व्यवहारिक समस्याओं को हल करने की बजाय वे केवल आंकड़ों के सहारे इंदौर को अग्रणी बनाकर सीईओ और कलेक्टर की नजरों मे अपनी छवि चमकाने के चक्कर में लगे हुए है। कुछ शिक्षकों का कहना है कि यदि यही स्थितियां बनी रहीं तो जिले की शिक्षा गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया है, लेकिन विभाग के भीतर बढ़ते असंतोष से यह साफ है कि मौजूदा नीति व नेतृत्व को लेकर असहमति का वातावरण बन गया है। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस स्थिति पर क्या कदम उठाता है।

अब उनके ऑफिस का अमला हुआ त्रस्त

वर्तमान डीपीसी संजय मिश्र की कार्यप्रणाली से त्रस्त होकर उनके ही ऑफिस के उनके सहायक एपीसी कार्यालय छोड़कर अपनी प्रतिनियुक्ति छोड़ने में लगे हुए है। सबसे पहले एक महिला एपीसी ने कलेक्टर को सीधे पत्र लिखकर अपनी प्रतिनियुक्ति समाप्त करने के लिए आवेदन दिया। सूत्रों के अनुसार अपने आवेदन में उन्होंने डीपीसी की कार्यप्रणाली पर हो प्रश्नचिन्ह लगाए थे। इसके बाद एक एपीसी, वे डीपीसी के व्यवहार से परेशान होकर अपनी मूल संस्था के लिए रिलीव हो गए। डीपीसी कार्यालय के विश्वनीय सूत्रों के अनुसार कल भी एक एपीसी ने डीपीसी के व्यवहार की शिकायत सीईओ जिला पंचायत को की है। कुल मिलाकर ऑफिस सूत्र ही बताते है कि इन दिनों डीपीसी की कार्यप्रणाली के चलते सभी अधीनस्थ तनाव में है। गौरतलब है कि इस पूर्व जिले के समस्त बीआरसीसी और जनशिक्षक सड़क पर उतर गए थे और कलेक्टर के समक्ष सामूहिक इस्तीफे दे दिए थे

जिसने की तारीफ उसे दिलाया पुरस्कार

शहर के एक प्रधानाध्यापक ने अपना नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि डीपीसी संजय मिश्र खुद की प्रशंसा सुनने के आदी है। उन्हें हर काम मै अपनी वाहवाही लूटने का शौक है। उनके उसी शौक को समझकर अक्सर बैठकों में एक शिक्षक द्वारा डीपीसी की प्रशंसा की जाती थी। डीपीसी ने उसकी प्रशंसा से प्रसन्न होकर उसे 15 अगस्त पर पुरस्कार दिलवा दिया और जो शिक्षक बैठकों में योजनाएं के संचालन में व्यवहारिक समस्याओं के बारे में पूछते या जिक्र करते है, उन्हें सार्वजनिक रूप से प्रताड़ना मिलती है इतना ही नहीं उन्हें बेवजह के नोटिस भी थमा दिए जाते है।

ऐप से हो रही मॉनिटरिंग

आंकडे ही अब विकास का सूचकांक बन गया कोई सुनने वाला नहीं है। सब योजनाएं बंद एसी कमरों में बनती है, इन्हे बस आंकड़ों से मतलब है। पढ़ाई छोड़कर बस ऐप में उत्तर दे देते जाओ और कुछ नहीं। फिर भी पढ़ाई में कुछ गड़बड़ हुई तो इसकी तलवार आपके ऊपर ही लटक रही है। स्कूल शिक्षा विभाग में 35 से अधिक एप और पोर्टल चल रहे हैं। इतना ही नहीं यह एप शिक्षक, संस्था प्रमुख, बीआरसीसी के लिए चालाया जा रहा है। इन्हों एप और पोर्टल में जानकारी दर्ज कराई जाती है। शिक्षक इन्हीं में उलझा हुआ है।

औपचारिक बनकर रह गई प्रभारी-मंत्री की व्यवस्था

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • प्रदेश में शासन-प्रशासन के बार-बार के निर्देश के बाद भी प्रभारी मंत्री अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा नहीं कर रहे हैं। आलम यह है कि मंत्रियों की निष्क्रियता के कारण न तो जिलों के विकास की योजनाओं की मॉनिटरिंग हो पा रही है और न तो जनता की समस्याओं का समाधान हो पा रहा है। प्रभारी मंत्रियों की निष्क्रियता के कारण जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

गौरतलब है कि सरकार ने मंत्रियों को जिलों की जिम्मेदारी दे रखी है। लक्ष्य है मंत्री अपने जिले में विकास का नेतृत्व करेंगे। संभावित गंभीर घटनाओं को होने से रोकेंगे। जब भी जिले के लोग संकट में पड़े तो उन्हें बाहर निकालने के प्रयास और जनता और सरकार के बीच सेतु का काम करेंगे। कई जिलों के प्रभारी मंत्री ऐसा करते नहीं दिख रहे। अभी हाल ही में बैतूल में भी जहरीली सिरप से दो बचों की मौत सामने आई। अब तक दोनों को मुआवजा भी नहीं मिला। एक बच्चे के पिता तो मुख्यमंत्री से मिलने छिंदवाड़ा भी पहुंचे थे। जब किरकिरी होने लगी तब बैतूल पहुंचे, अस्पताल का निरीक्षण किया। वहीं छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत विदेश में भी चर्चा का विषय रही। जहरीली दवा से एक के बाद एक कई बच्चों की मौत हो गई, लेकिन मंत्री राकेश सिंह अब तक एक्शन में नहीं दिखे। बड़ी घटनाओं के समय ऐसी उदासीनता और भी जिलों में देखी जा रही है, जिसको लेकर स्थानीय जनता में रोष है। जबकि स्वयं सीएम भी छिंदवाड़ा गए थे।

आपदा-विपदा में नहीं दिखते प्रभारी मंत्री : प्रभारी मंत्रियों की निष्क्रियता का आलम यह है कि वे अपने प्रभार वाले जिलों में आपदा-विपदा आने पर भी नहीं जाते। सतना के चित्रकूट में बारिश के दौरान बाढ़ के हालात बने। कई लोगों की गृहस्थी का सामान बर्बाद हो गया। इतना सबकुछ होता रहा लेकिन प्रभारी मंत्री ने सुध नहीं ली। यही नहीं, शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन में भी राहत को लेकर मंत्री सुस्त दिखे। धार के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे को नष्ट करने के निर्णय के दौरान लोग नाराज हुए। 3 जनवरी को कई गांवों में विरोध हुआ। पीथमपुर में दो लोगों ने पेट्रोल छिंडकर् आग लगा ली। सरकार को सामने आना पड़ा, तब मंत्री भी सक्रिय हुए।

न्यूज इन ब्रीफ

डॉ. भाईसारे का निधन चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति - उप मुख्यमंत्री शुक्ल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय भाईसारे के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि डॉ. भाईसारे का जीवन चिकित्सा, शिक्षा और मानवता का अद्भुत संगम रहा। महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, इंदौर के नेत्र रोग विभागाध्यक्ष के रूप में उन्होंने चिकित्सा शिक्षा को नई दिशा दी। कोविड-19 एवं ब्लैक फंगस के कठिन दौर में भी उन्होंने अदम्य साहस और सेवा भावना के साथ कार्य किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि डॉ. भाईसारे मध्यप्रदेश के पहले पीएच.डी. गाइड, उत्कृष्ट शिक्षक और प्रेरणादायक मार्गदर्शक थे। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली के आर.पी. सेंटर से एमबीबीएस एवं एमएस की उपाधि प्राप्त कर रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्यूरिटी पर उल्लेखनीय अनुसंधान किया।

डेलॉइट इंडिया का इंदौर में विस्तार – क्षेत्रीय विकास और नवाचार को नई गति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डेलॉइट इंडिया ने मध्य प्रदेश के इंदौर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे भारत के उच्च-विकास क्षेत्रों में गहराई से जुड़ाव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। इंदौर में अब तैनात एक टीम डेलॉइट की मल्टीडिसिप्लिनरी केपेबिलिटीज़ का प्रतिनिधित्व करेगी, जिनमें स्ट्रैटेजी, एम एंड ए, टैक्स, रिस्क एडवाइजरी, एश्योरेंस और ट्रांसफॉर्मेशन सर्विसेज़ शामिल हैं। यह टीम पारिवारिक व्यवसायों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमईज़), निवेशकों और सार्वजनिक संस्थानों के साथ निकटता से काम करेगी और राज्य के विभिन्न उद्योगों में विकास के अवसर सृजित करेगी।

13 दिन पहले पड़ोसी ने हॉकी से पीटा था, इलाज के दौरान तोड़ा दम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राजेंद्र नगर के भीमनगर में रहने वाले एक बीजेपी कार्यकर्ता की मौत हो गई। वह पिछले 13 दिनों से एमवाय अस्पताल में भर्ती थे। परिवार ने बताया कि 4 अक्टूबर को उनके साथ मारपीट हुई थी। मारपीट पड़ोसी रोशन खराटे ने की थी। इसके बाद वह मौके से भाग गया था। मृतक का नाम दिलीप तायडे (उम्र 52 साल) है। वह समाज सेवा से जुड़े हुए थे। गुरुवार रात एमवाय अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दिलीप के भांजे प्रकाश ने बताया कि घटना वाले दिन उनका बेटा पतंग उड़ा रहा था। दिलीप ने बच्चे को समझाया कि पतंग की डोर से किसी को चोट लग सकती है। यह बात पास में बैठे रोशन को बुरी लगी। उसने कहा – तुम्हें इससे क्या लेना इसी बात पर दोनों में कहासुनी हो गई। थोड़ी देर बाद रोशन घर से हॉकी और डंडा लेकर आया। उसने दिलीप पर अचानक हमला कर दिया। सिर और शरीर पर कई जगह चोटें आईं। घटना के बाद दिलीप को अस्पताल ले जाया गया। इलाज चलता रहा, लेकिन हालत नहीं सुधरी। गुरुवार रात उन्होंने दम तोड़ दिया। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने अब तक आरोपी को नहीं पकड़ा। वे कई बार थाने गए लेकिन सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। अब आगे की कार्रवाई की बात कही है।

हिंदू त्यौहार, हिंदू से व्यवहार और हिंदू से व्यापार, बीएचपी और बजरंग दल ने चलाई मुहीम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में दीपावली को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। इस मुहिम के तहत संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने शहर के प्रमुख मॉल और बाजारों में पोस्टर लगाए हैं, जिन पर संदेश लिखा है कि हिंदू त्यौहार, हिंदू से व्यवहार और हिंदू से व्यापार। दरअसल यह पोस्टर इंदौर के सराफा, राजवाड़ा, मालवा मिल, विजय नगर समेत कई प्रमुख बाजार क्षेत्रों में लगाए गए हैं। संगठन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को अपने धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूक करना है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि हिंदू त्योहारों के दौरान लोगों को खरीदारी करते समय स्थानीय और हिंदू व्यापारियों को प्राथमिकता देनी चाहिए। संगठन का मानना है कि इससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा और धार्मिक व सांस्कृतिक पहचान भी मजबूत होगी। हालांकि पोस्टर लगाने के बाद संभावित विवाद या तनाव को सकता है। वही प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखने के लिए संबंधित क्षेत्रों में गश्त और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

प्रदेश में बनेंगे 200 हेलीपैड : कॉलेज, हॉस्पिटल व होटलों पर उतरेंगे हेलीकॉप्टर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को एक नया आयाम देने की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू की जा रही हैं, जिससे सभी प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन क्षेत्रों को हवाई मार्ग से जोड़ा जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि अगले तीन साल के भीतर राज्य के हर प्रमुख स्थान तक हवाई संपर्क स्थापित हो, जिसके लिए मौजूदा हवाई पट्टियों के विस्तार के साथ-साथ बड़े पैमाने पर हेलीपैड का निर्माण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत इंदौर सहित पूरे प्रदेश में 200 हेलीपैड बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

विमानन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजयकुमार शुक्ला ने हाल ही में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला मुख्यालयों पर हेलीपैड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन के कलेक्टर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पंवार ने इंदौर का प्रतिनिधित्व किया। शुक्ला ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों और तहसील मुख्यालयों पर हेलीपैड निर्माण के लिए उपयुक्त शासकीय भूमि का चयन करें। इसके लिए शासकीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों और निगम मुख्यालयों जैसे सुरक्षित स्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है। इंदौर में हेलीपैड निर्माण के लिए कई प्रमुख स्थानों को चिह्नित किया गया है। अपर कलेक्टर पंवार के अनुसार, भंवरकुआं स्थित शासकीय अटलबिहारी वाजपेयी कला एवं वाणिज्य कॉलेज परिसर और मूसाखेड़ी स्थित पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में हेलीपैड के लिए स्थान प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने इंदौर बायपास, उज्जैन रोड पर स्थित अरबिंदो परिसर और सुपर कॉरिडोर पर आईटी कंपनियों के पास भी हेलीपैड निर्माण की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए हैं।

निजी संस्थानों को भी किया जाएगा प्रोत्साहित

योजना के तहत निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। होटल, हॉस्पिटल, बड़ी टाउनशिप और अन्य संस्थान जिनके पास पर्याप्त भूमि है, उन्हें हेलीपैड निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। दिल्ली और मुंबई की तर्ज पर इंदौर में निर्माणाधीन बड़ी होटलों की छतों पर भी हेलीपैड बनाए जा सकते हैं। इंदौर विकास प्राधिकरण, नगर निगम और लोक निर्माण विभाग जैसी संस्थाएं इस कार्य में सहयोग करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप इस योजना से प्रदेश में धार्मिक और पर्यटन क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम और सुविधाजनक हो जाएगा।

एरोड्रम ट्रक हादसे में सात पुलिस अफसर और पुलिसकर्मी जिम्मेदार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एरोड्रम मार्ग पर नो एंट्री क्षेत्र में घुसा एक जानलेवा ट्रक पिछले माह चार लोगों की दर्दनाक मौत का कारण बना। पंद्रह से अधिक लोग उस हादसे में घायल हो गए थे। इस मामले में पुलिस विभाग ने अपने स्तर पर जांच की, जिसमें एसीपी और टीआई सहित सात अधिकारियों को दोषी पाया गया है। यह जांच जोन चार के एडीसीपी दीषेश अग्रवाल ने पूरी की और रिपोर्ट पुलिस कमिश्नर को सौंपी।

अब इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की जाएगी। जांच में एसीपी सुदेश सिंह, टीआई अर्जुन सिंह पंवार, टीआई दीपक यादव, सूबेदार चंद्रेश मरावी सहित कुल सात पुलिसकर्मियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। ड्यूटी के दौरान इन सभी ने लापरवाही बरती। उन्होंने न तो नो एंट्री आदेश की गंभीरता समझी और न ही एंट्री प्वाइंट पर ट्रक को रोकने व चालक की स्थिति जांचने की जिम्मेदारी निभाई।

जांच में एयरपोर्ट रोड से बड़ा गणपति तक के सीसीटीवी फुटेज देखे गए, अधिकारियों की मोबाइल लोकेशन जांची गई और प्रभावितों के

बयान दर्ज किए गए। आपको बता दें कि ट्रक हादसे के मामले में हाईकोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अधिकारियों को एंट्री प्वाइंट के फुटेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था, लेकिन जवाब में बताया गया कि वहां फुटेज नहीं थे।

हादसे के बाद अब कैमरे लगाए गए हैं। कोर्ट ने उस अधिकारी की जानकारी भी मांगी है जिसके फोन कॉल के बाद ट्रक को जाने दिया गया था। इस हादसे के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आठ पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को उनके पदों से हटा दिया है। अब इस मामले में विभाग ने भी जांच पूरी कर ली।

गोदाम, पार्किंग में चल रहे शहर के बड़े बाजार हजारों जिंदगियां दांव पर, जिम्मेदार मौन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के व्यस्ततम बाजारों में पार्किंग और गोदाम की जगहों पर धड़ल्ले से अवैध दुकानें चल रही हैं। कुछ समय पहले नगर निगम ने इन दुकानों को सील करने की कार्रवाई की थी जो अब ठंडे बस्ते में जा चुकी है। न सिर्फ निगम के द्वारा सील की गई दुकानें फिर से खुल चुकी हैं बल्कि इन सभी जगहों पर चल रही लापरवाही पर जिम्मेदारों ने भी आंखें मूंद रखी हैं।

शहर के सबसे प्रमुख बाजारों में से एक दवा बाजार और डॉलर मार्केट में भी नगर निगम के नियमों को ताक पर रखकर सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। एक ओर जहां डॉलर मार्केट नगर निगम के कार्यालय के ठीक पास में ही संचालित हो रहा है वहीं दवा बाजार मप्र का प्रमुख दवा बाजार है जहां पर देशभर से दवाओं का कारोबार होता है। यहां पर लगातार बड़े अधिकारियों के दौरे होते हैं लेकिन किसी की भी नजर इस लापरवाही पर नहीं जाती।

दवा बाजार स्थित कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में, नगर निगम ने केवल गोदाम बनाने की स्वीकृति दी थी, जहां अब अवैध रूप से दुकानें चलाई जा रही हैं। इस वजह से यहां आने वाले लोगों को अपने वाहन सड़क पर पार्क करने पड़ते हैं, जिससे दिनभर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। कुछ इसी तरह की स्थिति डॉलर मार्केट के बाहर भी बनी रहती है जहां लोग सड़कों पर पार्किंग करते हैं और पूरी सड़कें जाम रहती हैं।

दवा बाजार कॉम्प्लेक्स में लगभग 850 दुकानें हैं, और यहां प्रतिदिन 5,000 से अधिक लोगों का आना-जाना होता है। आलम यह है कि बेसमेंट से लेकर ऊपरी मंजिलों तक दोपहिया वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े रहते हैं। कई वाहन तो लोहे की कमजोर जालियों के सहारे टिका दिए जाते हैं, जिनके गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसके अलावा, दुकानों के आसपास चाय-नाश्ते के ठेले अवैध रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग कर रहे हैं, जो कि पेट्रोल से भरे वाहनों के बीच हादसों को खुला निमंत्रण दे रहा है। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब पता चलता है कि किसी भी आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड के लिए भी इन बाजारों के अंदर पहुंचने की जगह नहीं है। न तो यहां पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे हैं और न ही सुरक्षा गार्ड। इस मामले पर नगर निगम जोन 11 के जोनल अधिकारी गीतेश तिवारी ने कहा कि बेसमेंट का उपयोग केवल पार्किंग या गोदाम के लिए किया जा सकता है, जिसकी अनुमति निगम से लेनी होती है।

दिवाली के लिए बंपर बुकिंग जारी, 178 करोड़ का हुआ कारोबार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● त्योहारी सीजन के सबसे शुभ माने जाने वाले पुष्य नक्षत्र पर बुधवार को इंदौर के ऑटोमोबाइल बाजार में धन की वर्षा हुई। शहरवासियों ने इस मौके का भरपूर लाभ उठाते हुए जमकर नए वाहनों की खरीदारी की। एक ही दिन में इंदौर में 4300 से अधिक वाहन बिके, जिनकी कुल कीमत 178 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। अब डीलरों को धनतेरस और दिवाली पर इससे भी बड़े कारोबार की उम्मीद है।

इंदौर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के सचिव विशाल पमनानी के अनुसार, पुष्य नक्षत्र के एक ही दिन में 1500 से ज्यादा कारें और 2800 से ज्यादा दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई। ज्यादातर लोगों ने पहले से ही अपनी पसंदीदा गाड़ी बुक कर ली थी और शुभ मुहूर्त पर सिर्फ डिलीवरी लेने के लिए शोरूम पहुंचे। बिके हुए वाहनों में सामान्य मॉडलों से लेकर डेढ़ करोड़ रुपये की बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कारें भी शामिल थीं। पमनानी ने बताया कि बिकी हुई कारों की औसत कीमत 10 लाख रुपये के हिसाब से लगभग 150 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। वहीं, दोपहिया वाहनों की औसत कीमत 1 लाख रुपये के हिसाब से 28 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। इस तरह, कुल मिलाकर एक ही दिन में 178 करोड़ रुपये के वाहन बिके। गणेश उत्सव से शुरू हुआ त्योहारी सीजन ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए बेहद शानदार साबित हो रहा है। वाहन डीलरों का अनुमान है कि इस साल पिछले वर्षों की तुलना में वाहनों की बिक्री में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। बाजार में इस तेजी का एक बड़ा कारण जीएसटी दरों में कटौती और कंपनियों द्वारा दिए जा रहे आकर्षक ऑफर्स हैं। सरकार द्वारा जीएसटी की दरें 28% से घटाकर 18% करने से वाहनों की कीमतों में हजारों से लेकर लाखों रुपये तक की कमी आई है। इसके अलावा, कंपनियां भी ग्राहकों को लुभाने के लिए कई तरह के डिस्काउंट दे रही हैं, जिससे लोगों का उत्साह बढ़ा है और बिक्री में इजाफा हुआ है।

अवकाश के दिन भी खुले रहेंगे बिजली बिल भुगतान केंद्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा के मद्देजर दीपावली के पर्व के मौके पर 18 अक्टूबर धनतेरस के दिन और 21 अक्टूबर गोवर्धन पूजा के दिन बिजली बिल भुगतान केंद्र खुले रखने का निर्णय लिया गया है। तदनुसार इंदौर जिले के 60 से ज्यादा जोन, वितरण केंद्रों एवं कंपनी क्षेत्र के 434 केंद्रों पर उपरोक्त दिनों में बिजली देयकों को जमा कराया जा सकेगा। इसके अलावा उपभोक्ता अपने मोबाइल, कंप्यूटर, टेबलेट, लेपटॉप इत्यादि उपकरणों से पेटीएम, फोन पे, गुगल पे, अमेजन, एमपी ऑन लाइन के माध्यम से घर बैठे कैशलेस बिजली बिल भुगतान कर सकते हैं। कैशलेस बिजली भुगतान पर नियामक आयोग द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन राशि भी उपभोक्ता के बिजली बिल खाते में कंपनी द्वारा जमा की जाती है।

पीसी एण्ड पीएनडीटी वर्कशाप आयोजित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी की अध्यक्षता में इंदौर में गर्भधारण पूर्व प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम अंतर्गत वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशाप में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त कलेक्टर अजीत श्रीवास्तव उपस्थित हुए। साथ ही जिला अभियोजन अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह भदोरिया, सेवानिवृत्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं भोपाल डॉ. पी.के. बजाज उपस्थित हुए। जिसमें मुख्य रूप से निजी चिकित्सालय एवं शासकीय चिकित्सालय के रेडियोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं अन्य चिकित्सक वर्कशॉप में शामिल हुए। डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा पीसी एण्ड पीएनडीटी के नियमों के बारे में बताया गया। साथ ही पीएनडीटी के नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना में सवा लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भावांतर भुगतान योजना में पंजीयन का अंतिम दिन आज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राज्य शासन द्वारा सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिये शुरू की गई भावांतर भुगतान योजना का लाभ लेने के लिये किसानों ने बड़ी संख्या में अपना पंजीयन कराया है। योजना के तहत 3 अक्टूबर से प्रारंभ पंजीयन में इंदौर जिला संभाग में सबसे आगे रहा है। यहां सर्वाधिक 42880 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जबकि पंजीयन के लिये अभी एक दिन और शेष है।

इंदौर जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 1,15,236 हैक्टेयर है। यहां सोयाबीन खरीदी के लिये 61 विक्रय केन्द्र बनाये गये हैं। इंदौर जिले में 42880 किसानों ने भावांतर योजना के तहत अपना पंजीयन कराया है। बुरहानपुर जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 3688.04 हैक्टेयर हैं। यहां 24 पंजीयन केन्द्रों पर 2111 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। झाबुआ जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 11938.77 हैक्टेयर हैं। यहां 50 केन्द्रों पर 9087 किसानों ने पंजीयन कराया है। आलीराजपुर जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 35600 हैक्टेयर है। यहां 22 केन्द्रों पर 1183 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसी तरह बड़वानी जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 14528.29 हैक्टेयर है। यहां 46 केन्द्रों पर 12383 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। खण्डवा जिले में कुल कुल रकबा 39219.19 हैक्टेयर है। यहां 73 केन्द्रों पर 16763 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। खरगोन जिले में सोयाबीन उत्पाद का कुल रकबा 22239 हैक्टेयर है। यहां 75 पंजीयन बनाये गये हैं। केन्द्रों पर 12163 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। धार जिले में 33039 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इंदौर संभाग में सोयाबीन भावांतर भुगतान योजनांन्तर्गत 1,29,609 किसानों ने अभी तक पंजीयन कराया है।

भावांतर योजना के लिए किसानों के पंजीयन आज ही होंगे। सोयाबीन विक्रय अवधि 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। किसानों से अपील की गई है कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आज तक ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीयन अवश्य करा लें।

शहर में ही रहेगा 65 साल का मोती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चिड़ियाघर का 65 साल का हाथी मोती अब चिड़ियाघर में ही रहेगा। पिछले दिनों मोती को वन तारा सेंटर (जामनगर, गुजरात) भेजने के लिए हाई पावर कमेटी से एक पत्र आया है, लेकिन जू प्रबंधन और वन विभाग इसके पक्ष में नहीं था।

मोती को इंदौर के चिड़ियाघर में ही रखने के लिए प्रबंधन ने हर संभव प्रयास किए, जिसके फलस्वरूप ये हुआ कि अब मोती इंदौर के ही चिड़ियाघर में रहेगा। चिड़ियाघर प्रभारी डॉ.उत्तम यादव ने बताया कि हाथी मोती चिड़ियाघर का सबसे पुराना प्राणी है।

इस संबंध में चीफ वाइड लाइफ वार्डन, मध्यप्रदेश शासन भोपाल से ईमेल के जरिए एक लेटर मिला है। जिसके चलते हाथी मोती अब इंदौर के ही चिड़ियाघर में रहेगा। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्तक्षेप के बाद हाथी मोती की शिफ्टिंग रुकी है। मोती को लेकर पिछले कुछ दिनों से चल रही उठापटक में नया मोड़ आ गया है। मोती को इंदौर के ही चिड़ियाघर में रखने के लिए आवाज उठाई जा रही थी। आखिरकार सभी का ये प्रयास रंग लाया, जिसके चलते यह तय हुआ कि अब मोती यहीं रहेगा। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश शासन के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन की ओर से आधिकारिक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें साफ लिखा गया है कि मोती का फिलहाल कहीं और ट्रांसफर नहीं किया जाएगा।

जिला प्रशासन, आरटीओ-ट्रैफिक पुलिस ने की बसों की जांच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर इंदौर शहर में लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनों की सघन जाँच की जा रही है। इसी कड़ी में गुरूवार को इंदौर जिला प्रशासन, आरटीओ, ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन इमली चौराहा, रिंग रोड, बायपास पर लोक परिवहन वाहनों खासकर इण्टरसिटी , इंटरस्टेट बसों की सघन चेकिंग की गई। बसों में इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम ,आपातकाल में सुगम निकास व्यवस्था की जांच की गई। बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने, मोटरयान अधिनियम के मानकों का उल्लंघन किये जाने तथा फिटनेस शर्तो का उल्लंघन किए जाने पर पर 02 बसों के फिटनेस निरस्त किए गए। साथ ही 06 वाहनों पर 42 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया। साथ ही बस संचालकों को यह हिदायत दी गई कि वह बसों को मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत मानकों के अनुसार ही संचालित करें। कार्यवाही में प्रशासन से जूनी इंदौर एसडीएम प्रदीप सोनी, आरटीओ प्रदीप शर्मा, एसीपी हिन्दू सिंह मुवेल एवं संयुक्त अमला उपस्थित रहा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025

प्याज के छिलके की तरह सामने लाऊंगा शिवराज का चेहरा

भोपाल (एजेंसी) ● केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने के मामले में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित 20-25 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है। केस दर्ज होने के मामले में पूर्व मंत्री और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने शिवराज सिंह चौहान पर पलटवार किया है। मुकेश नायक ने कहा- शिवराज सिंह जी ये मुकदमा दर्ज करके आपने बहुत बड़ी गलती की है। प्याज के छिलके जैसी एक-एक परत निकालकर अगले छह महीने में जनता के बीच में आपका असली चेहरा

निकालकर रख दूंगा। ये धमकी नहीं है ये मुकदमा दर्ज करके आपने राजनीति का स्तर नीचे किया है, इसका परिणाम आएगा।

पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने कहा- कल हम केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के यहां जीतू पटवारी के नेतृत्व में मिलने गए थे। तो सबसे पहले शिवराज सिंह चौहान ने यह कहा कि राजनीति करना है तो मैं उनसे कहना चाहता हूं कि एक प्रमुख विपक्षी दल का अध्यक्ष आपसे मिलने गया है वो राजनीति नहीं करेगा तो क्या मछली मारने की बात करेगा। जब हम मिलने गए तो आपका इतना सौम्य चेहरा था कि आपने खरगोश जैसा सौम्य मुंह बना कर हम लोगों से बड़ी सहृदयता से बात की। यही आपके दो रूप हैं, जो प्रदेश की जनता जान चुकी है। आपके घर के सामने आपके जन्मदिन पर 500 गाड़ियां रोड पर खड़ी थीं आपने अनुमति ली थी?

शिवराज ने सिर्फ लोगों का फायदा उठाया

मुकेश नायक ने कहा- हम लोगों ने आपके ऊपर बहुत रिसर्च किया है। आपसे ज्यादा किसी नेता ने इस मप्र का लाभ नहीं उठाया। आपने किसी की मदद नहीं की। विदिशा, बुधनी में पूछ लें तो चार लोगों की आपने मदद नहीं की। आप सिर्फ लोगों से मदद लेते हैं आप स्वार्थी आदमी हैं आपका चेहरा अलग और हृदय अलग है।

न्यूज इन ब्रीफ

गोपाष्टमी पर अहिल्या माता गोशाला में घरों से लेकर आएंगे लड्डू गोपाल लगेगा छप्पन भोग

इंदौर ● केशरबाग रोड़ स्थित प्राचीन अहिल्या माता गोशाला पर गुरुवार, 30 अक्टूबर को सुबह 7.30 से दोपहर 2 बजे तक गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में गोमाता पूजन, गो-गोपाल मिलन, गोमाता के अन्नकूट सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर गोशाला आने वाले गो भक्तों को गोशाला में ही उपजे आंवला का निशुल्क वितरण भी किया जाएगा और आधुनिक मशीन से आभा मंडल टेस्टिंग सहित गर्भवती माताओं के गर्भस्थ शिशु में श्रेष्ठ संस्कारों के लिए विशेषज्ञ वैद्यों द्वारा गर्भ संस्कार जैसे कार्यक्रम भी होंगे। पूजन के लिए समुचित सामग्री की सम्पूर्ण व्यवस्था गोशाला में निशुल्क उपलब्ध रहेगी। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालु अपने साथ घर के लड्डू गोपाल को लेकर गोशाला आएंगे और गो माता से मिलन एवं परिक्रमा का पुण्य लाभ उठाएंगे। गोशाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुरूजी, मंत्री पुष्पेन्द्र धनोतिया एवं संयोजक सी.के. अग्रवाल ने बताया कि गोपाष्टमी पर आधुनिक मशीन से ओरा टेस्टिंग, गर्भ संस्कार, बच्चों के लिए मिट्टी के बर्तन बनाने की कार्यशाला तथा प्राचीन कांसा चिकित्सा पद्धति द्वारा असाध्य रोगों के उपचार और गोशाला स्थित सप्त गोमाता मंदिर में गोमाता की जीवंत झांकी, तर्पण-अर्पण के लिए चमत्कारिक त्रिवेणी वृक्ष, श्रेष्ठ गुणवत्ता की जैविक खाद, जीव दया की सेवा के लिए पक्षी तीर्थ, गोमाता से जुड़े विशेष पर्वों पर पूजा एवं गोदान के लिए पूजन सामग्री एवं पंडित की निशुल्क व्यवस्था, आयुर्वेद चिकित्सकों के सानिध्य में गर्भधारण परामर्श एवं कार्यशाला सहित विभिन्न आयोजन भी होंगे।

ब्राह्मण सेवा संगठन में तीसरी बार पंडित सत्येन्द्र शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त

इंदौर ● शहर के आम लोगों के लिए निशुल्क शव वाहन, डायलिसिस के लिए प्रतिमाह आर्थिक सहायता, एमवाय अस्पताल में कई वर्षों से जरूरतमंद एवं निर्धन मरीजों को निशुल्क औषधियों का वितरण कर रही संस्था सहायता के माध्यम से सेवा कार्य करने वाली ब्राह्मण सेवा संगठन के अध्यक्ष पद पर पं. सत्येन्द्र शर्मा को तीसरी बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। ब्राह्मण सेवा संगठन केन्द्रीय समिति के संरक्षक पं. अनुपम तिवारी, संयोजक पं. अटल शर्मा एवं पं. पवन मिश्र ने सभी पदाधिकारियों की सहमति के बाद पं. सत्येन्द्र शर्मा को फिर से संगठन की बागडोर सौंपी है। संगठन के माध्यम से हाईटेक सामूहिक विवाह, सामूहिक उद्यापन सहित विभिन्न सेवा गतिविधियां चलाई जा रही हैं। पं. शर्मा की नियुक्ति पर पं. राजेन्द्र शर्मा, अशोक शर्मा, विजय जोशी, जितेन्द्र व्यास, विशाल शर्मा, संजीव शर्मा, मुकेश शर्मा मामा, शैलेन्द्र सुगंधी, रामचंद्र दुबे तथा मातृशक्ति की ओर से सरोज कौशिक, श्रीमती संगीता शर्मा, श्रीमती मोनिका दुबे एवं ममता शर्मा सहित सभी प्रकल्पों के पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त की है।

डॉ. आंबेडकर नगर स्टेशन के पार्क में गायें चर रहीं करोड़ों खर्च कर बना; कचरे और गंदगी से बदहाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डॉ. अंबेडकर नगर महू रेलवे स्टेशन की हालत बदहाल है। कुछ ही महीने पहले करोड़ों रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ यह स्टेशन अब गंदगी और अव्यवस्था का शिकार है। स्टेशन परिसर में बनाए गए गार्डन में हरे-भरे पौधों की जगह अब गायें चरती हुई दिखाई देती हैं। चारों ओर घास-फूस, कचरा और दुर्गंध फैली हुई है।

स्टेशन के फ्रंट गार्डन में बीयर की बोतलें, डिस्पोजेबल सामग्री और प्लास्टिक कचरा बिखरा पड़ा है। यह स्थिति स्टेशन पर सफाई और रखरखाव के अभाव को दर्शाती है। करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए इस स्टेशन के रखरखाव और निगरानी की कमी स्पष्ट दिख रही है। सवाल उठता है कि क्या रेलवे प्रशासन को इन हालातों की जानकारी नहीं है या इसकी जिम्मेदारी तय नहीं की गई है।

27 दिन इलाज कराकर आज इंदौर लौटेगी संस्कृति वर्मा ट्रक हादसे में हुई थीं घायल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर ट्रक हादसे में बुरी तरह से घायल 17 वर्षीय संस्कृति वर्मा आज मुंबई से लौट रही हैं। उन्हें 27 दिन पहले 20 सितंबर को इलाज के लिए एयर लिफ्ट कर मुंबई के बॉम्बे अस्पताल भेजा गया था। जहां उनकी चार सर्जरी हुई हैं। उधर, इस हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी आ गई है। जिसमें ट्रैफिक सूबेदार-एसीपी सहित 6 कर्मचारी-अधिकारी दोषी पाए गए हैं।

इंदौर में 15 सितंबर को हादसा हुआ था। एयरपोर्ट रोड पर नो एंट्री में घुसा ट्रक रामचंद्र नगर चौराहे से बड़ा गणपति तक राहगीरों को कुचलता हुआ गया था। इस घटना में 3 लोगों की मौत हो गई थी और 18 लोग घायल हुए थे। उन्हीं में से एक संस्कृति वर्मा थीं। बुरी तरह से घायल संस्कृति से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मिले थे और अच्छे इलाज का भरोसा दिलाया था। शुरू के पांच दिन संस्कृति का इलाज इंदौर के भंडारी अस्पताल में चला। यहां हाथ का ऑपरेशन हुआ। इसके बाद संक्रमण हो गया, तो डॉक्टरों ने मुंबई रेफर करने की सलाह दी थी।

पैर की नस काटकर हाथ में लगाई.

मुंबई में संस्कृति की चार सर्जरी हुई है। हाथ और पैर की जटिल सर्जरी थीं, इसमें पैर की नस काटकर हाथ में लगाई गई है। संस्कृति को मुंबई से एम्बुलेंस से इंदौर लाया जा रहा है। उनके साथ डॉक्टरों की टीम भी है। संस्कृति होश में है, बात कर रही है और भोजन भी ले रही हैं, पर दो कदम भी चल नहीं सकती हैं। मुंबई में फिजियोथैरेपी के बाद भी खास लाभ नहीं हुआ है। इंदौर में फिजियोथैरेपी सहित आगे का इलाज चलेगा।

इंदौर के भागवताचार्य नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ की साक्षी में सुनाएंगे भागवत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अंग्रेजी नए वर्ष के उपलक्ष्य में विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम से जुड़े भागवताचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री अब 4 से 10 जनवरी 2026 तक नेपाल के काठमांडू शहर में भगवान पशुपतिनाथ के सानिध्य में भागवत ज्ञान यज्ञ का दिव्य आयोजन करेंगे। पूर्व में यह आयोजन 11 सितम्बर से होना था, लेकिन काठमांडू में आगजनी और हिंसक घटनाओं के चलते इस दिव्य आयोजन को स्थगित कर दिया गया था और वहां फंसे श्री श्रीविद्याधाम के न्यासी पं. दिनेश शर्मा सहित अन्य लोगों को सरकार की मदद से हिन्दुस्तान लौटना पड़ा था। अब भक्तों के आग्रह पर वहां की स्थिति शांतिपूर्ण हो जाने के बाद 4 जनवरी से यह ज्ञान यज्ञ आयोजित किया जा रहा है, जिसकी सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही है। श्री श्रीविद्याधाम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' की प्रेरणा से उक्त दिव्य आयोजन होगा।

श्री श्रीविद्याधाम के भागवताचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री इसके पूर्व बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वर और अयोध्या सहित देश के चारों धामों पर इंदौर के भक्तों को ले जाकर भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन करने का कीर्तिमान बना चुके हैं। पिछले माह सितम्बर में उनके ज्ञान यज्ञ का कार्यक्रम 11 से 18 सितम्बर तक काठमांडू में प्रस्तावित था, लेकिन 10 सितम्बर को ही काठमांडू में हिंसक घटनाएं होने के कारण अनेक श्रद्धालुओं को या तो बीच रास्ते से लौटना पड़ा या जो वहां पहुंच चुके थे, उन्हें दो-तीन दिनों तक वहीं होटलों में कैद होकर रहना पड़ा था।

विभिन्न राज्यों के अफसरों ने देखा इंदौर का स्मार्ट मीटरीकरण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में स्मार्ट मीटर परियोजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में आरडीएसएस अंतर्गत पावर फायनेंस कार्पोरेशन ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से भारतीय प्रबंध संस्थाना इंदौर में क्षमता वृद्धि की ट्रेनिंग ले रहे बिजली अधिकारी गुरुवार दोपहर पोलोग्राउंड इंदौर स्थित स्मार्ट मीटर मास्टर कंट्रोल सेंटर पहुंचे। के लिंगामूर्ति, एम मूर्ति कुमार, श्री एस विजय प्रताप, जीडी वासनिक समेत अन्य मेहमान अधिकारियों का स्वागत स्मार्ट मीटर परियोजना निदेशक संजय जैन, अधीक्षण यंत्री श्रीमती कीर्ति सिंह ने किया। विभिन्न राज्यों के अधिकारियों ने स्मार्ट मीटर परियोजना के संबंध में मीटरीकरण, बिलिंग, पावर फैक्टर छूट, टीओडी छूट, सौर ऊर्जा के लिए पृथक मीटर की जरूरत नहीं होने, सटीक बिलिंग, त्रुटिरहित बिलिंग, मोबाइल एप पर खपत का ताजा ब्यौरा इत्यादि की जानकारी। कंट्रोल सेंटर प्रभारी श्री नवीन गुप्ता ने दल के सदस्यों के स्मार्ट मीटर संबंधी प्रश्नों के उत्तर देकर मेहमान अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। दल को बताया गया कि स्मार्ट मीटरीकरण सतत किया जा रहा है, वर्तमान में करीब 13.24 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। कुछ शहर शत प्रतिशत स्मार्ट मीटरीकृत घोषित कर दिए गए हैं।

मप्र का किसान बोल उठा - अब और नहीं झुकेंगे– अमित चौरसिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने वह किया जिसकी हिम्मत शायद आज तक किसी नेता में नहीं थी - अपने कंधे पर 50 किलो अनाज की बोरी उठाकर, 2 किलोमीटर पैदल चलकर सरकारी मशनरी से लड़कर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के दरवाज़े तक पहुँचे। लेकिन यह यात्रा सिर्फ 2 किलोमीटर की नहीं थी — यह यात्रा थी मध्य प्रदेश के हर उस किसान की वेदना की, जो पिछले 20 वर्षों से भाजपा सरकार की किसान-विरोधी नीतियों की मार झेल रहा है। कंधे पर अनाज और दिल में किसान का दर्द लेकर जीतू पटवारी जी ने यह संदेश दिया - हमें भावांतर नहीं, हमें भाव चाहिए - मेहनत की सच्ची कीमत चाहिए। जब सत्ता किसानों की आवाज़ दबाने में लगी थी, जीतू पटवारी ने किसानों की पुकार को सत्ता के दरवाज़े तक पहुँचा दिया। उनका यही संघर्षशील व्यक्तित्व और नेतृत्व कांग्रेस के असंख्य कार्यकर्ताओं में सकारात्मक ऊर्जा और संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

लायंस क्लब ऑफ़ इंदौर जुनून की संस्थापन विधि में पाँच कन्याओं के सामूहिक विवाह कराने का संकल्प

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लायंस क्लब ऑफ़ इंदौर जुनून का संस्थापन समारोह लायंस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. अनिल खंडेलवाल, विश्व ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष पं. योगेंद्र महंत एवं पं. गोपाल राव जोशी के आतिथ्य में राष्ट्रगान, गणेश वंदना एवं ध्वज वंदना के साथ प्रारंभ हुआ। इस मौके पर रीजन 3 की चेयर पर्सन मंजुलता मंडलोई ने पांच कन्याओं का निशुल्क सामूहिक विवाह कराने का संकल्प लिया और एक जरूरतमंद परिवार को राशन सामग्री भेंटकर अपने सेवा कार्यों का श्रीगणेश किया। साउथ तुकोगंज स्थित एक होटल में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. अनिल खंडेलवाल ने नवनिर्वाचित टीम को प्रभावी ढंग से शपथ दिलाई। डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी ला. सिद्धार्थ बंसल, ला. संजय डिंगडांग, ला. विनोद जोशी, सीईओ डॉ. एन. के. मेहता, ला. संतोष सोनी, ला. मुरली अरोरा, ला. दिनेश रणधर, रमेश गुप्ता एवं जोन चेयर पर्सन ला. डॉ. सरोज, ला. मंगला श्रीवास्तव सहित सभी प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अर्चना पुराणिक द्वारा गणेश वंदना, ला. वीणा रावल द्वारा राष्ट्रगान एवं ध्वज वंदना के साथ हुआ।

5-5 टॉपर्स की 100 कॉपियां वेबसाइट पर अपलोड होंगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बीएड कोर्स के लगातार आ रहे खराब रिजल्ट और मूल्यांकन पर उठ रहे सवालों के बाद देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने अनूठी पहल की है। इसके तहत अब बीएड के 5 टॉपर्स छात्रों की कॉपियां वेबसाइट पर अपलोड करेगी, ताकि यह कॉपियां हर छात्र देख सके और तुलना भी कर सके। डीएवीवी इस तरह का प्रयोग पहली बार करने जा रही है।

इसकी शुरुआत यह बीएड सेकंड और फोर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के रिजल्ट से करने जा रही है। ये दोनों रिजल्ट जारी हो चुके हैं। दिवाली बाद ये कॉपियां वेबसाइट पर अपलोड की जाएंगी। बीएड सेकंड और फोर्थ दोनों सेमेस्टर के 5-5 टॉपर्स की कॉपियां वेबसाइट पर अपलोड होंगी। बीएड सेकंड सेमेस्टर के तीन और फोर्थ सेमेस्टर में 7 विषयों के पर्चे होते हैं। दोनों सेमेस्टर के मिलाकर 10 विषयों की

50 कॉपियां वेबसाइट पर अपलोड होंगी।

निर्णय इसलिए... कभी 19 तो कभी 31% रहा रिजल्ट- डीएवीवी ने यह निर्णय इसलिए लिया है, क्योंकि 5 साल में बीएड का औसत रिजल्ट 50 फीसदी से भी कम रहा है। 2021 और 2022 में बीएड सेकंड और थर्ड सेमेस्टर का परिणाम सिर्फ 19 फीसदी रहा, तो 2023 में यह 27 और 29 प्रतिशत तक ही रहा। पिछली दो परीक्षाओं में रिजल्ट जरूर 40 फीसदी के पार पहुंचा था, लेकिन छात्र इससे भी संतुष्ट नहीं थे।

छात्र संगठनों और कॉलेजों की तरफ से लगातार मूल्यांकन व्यवस्था पर सवाल उठाए गए। एग्जाम कंट्रोलर प्रो. अशेष तिवारी का कहना है कि पहली बार टॉपर्स छात्रों की कॉपियां वेबसाइट पर अपलोड होंगी तो बीएड का हर छात्र इसे देख पाएगा।

खास कर कम अंक लाने वाले या एटीकेटी व फेल होने वाले छात्रों को पता चल सकेगा कि उन्होंने कहां चूक की और जवाब देने का सही तरीका क्या था। कुलपति प्रो. राकेश सिंघई का कहना है छात्रों ने जो सवाल उठाए, उस सभी का समाधान हर स्तर पर निकाला जा रहा है, लेकिन इस प्रयोग से एक नई और सकारात्मक शुरुआत होगी।

खेत को खाई बनाया जुर्माना 51 करोड़ से 4 हजार किया- अफसर बदलते ही कंपनी को 50.99 करोड़ का फायदा

भोपाल (एजेंसी) ● गांव के बाजू में ही हमारी 3.5 एकड़ जमीन है, उसमें पाथ-वे कंपनी वालों ने खुदाई की अनुमति ली थी। वही मिट्टी खोदकर डंपर में भरकर ले गए। हमारे पास क्या है? बैलगाड़ी भी नहीं है, हम कैसे खोदेंगे। कंपनी वालों को खेत समतल करने के लिए दे दिए थे। कुछ ज्यादा खुदाई हो गई है, अब गड्ढा बन गया है। उसमें पानी भर जाता है।यह कहते हुए अंगूरी बाई देवड़ा के चेहरे पर एक मासूम मुस्कुराहट तैर जाती है। लेकिन इस मुस्कुराहट के पीछे एक ऐसा दर्द छुपा है, जो सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हरदा के अंधेरीखेड़ा गांव की अंगूरी बाई उन 18 आदिवासी और गरीब किसानों में से एक हैं, जिनके खेतों को हाईवे बनाने वाली कंपनी पाथ-वे इंडिया लिमिटेड ने अंधाधुंध खुदाई कर गहरे गड्ढों में तब्दील कर दिया है। बात यहीं खत्म नहीं हुई। कंपनी ने न केवल नियमों को ताक पर रखकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया, बल्कि किसानों के खेतों को बर्बाद कर दिया। मामले की शिकायत के बाद तत्कालीन अपर कलेक्टर (छुट्टी) प्रवीण फूलपगारे ने कंपनी पर 51 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। कुछ दिन बाद उनका ट्रांसफर हो गया। उनकी जगह डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा ने पदभार संभाला तो जुर्माने की राशि घटकर महज 4 हजार 32 रुपए हो गई।

साल 2021-22 में जब पाथ-वे इंडिया कंपनी ने बैतूल-हरदा-इंदौर फोरलेन हाईवे का निर्माण शुरू किया, तो उसे सड़क बनाने के लिए बड़ी मात्रा में मुरम और मिट्टी की आवश्यकता थी। कंपनी ने हरदा के पास अंधेरीखेड़ा, भादूगांव और टेमागांव में किसानों से उनके खेतों को समतल करने के नाम पर खनन की अनुमति ली। प्रशासन ने कंपनी को करीब 16 हेक्टेयर जमीन से 12 लाख घनमीटर तक खनन की अनुमति दी थी, लेकिन जल्द ही शिकायतें आने लगीं कि कंपनी अनुमति वाले क्षेत्र से बाहर जाकर सरकारी और निजी जमीनों पर अवैध रूप से खुदाई कर रही है।

सम्पादकीय

नकली दवाओं और खतरनाक सौंदर्य प्रसाधनों पर अब सरकार कसेगी नकेल, क्या-क्या बदल सकता है नया कानून?

केंद्र सरकार नकली दवाओं और खतरनाक सौंदर्य प्रसाधनों पर सख्ती लाने जा रही है। नए कानून से गुणवत्ता और सुरक्षा में बदलाव की उम्मीद। किसी भी रोग की दवा से लेकर रसायनों के मिश्रण से तैयार हर वह पदार्थ हमेशा ही संबंधित एजंसियों की निगरानी के दायरे में होना चाहिए, जो इंसानी सेहत के लिए जोखिम का कारक बन सकते हैं। हालांकि सरकार के मातहत इसके लिए बाकायदा एक तंत्र है, लेकिन इसके बावजूद बाजार में ऐसी दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री खुलेआम होती रहती है, जिनके उपयोग के बाद स्वास्थ्य कई तरह के जोखिम के दायरे में आ जाता है। ऐसा नहीं है कि इस तरह के खतरनाक रसायनों के इस्तेमाल पर रोक के लिए कानून नहीं हैं, लेकिन या तो वे अपर्याप्त हैं या फिर उन्हें सख्ती से लागू करने को लेकर सरकारी एजंसियों के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि ऐसी दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों के इस्तेमाल से कई बार नाहक ही लोगों की मौत होने या स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचने की खबरें आती रहती हैं। दरअसल, हाल ही में कुछ राज्यों में खांसी की दवा पीने से कई बच्चों की मौत की खबरें आईं और इससे हर तरफ चिंता पैदा हुई। अब केंद्र सरकार दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी के लिए कानून लाने जा रही है। इस संबंध में 'औषधि, चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 2025' का मसविदा संसद के आगामी सत्र में पेश किया जा सकता है। देश भर में आए दिन नकली दवाओं की बिक्री और उससे पैदा खतरों को लेकर सवाल उठते रहते हैं। अगर कभी कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब थोड़ी सख्ती और कार्रवाई होती दिखती है। मगर आमतौर पर कार्रवाई के दायरे में निचले स्तर के कुछ कर्मचारी या अधिकारी ही आते हैं। मामला शांत होने के बाद फिर दवाओं के निर्माण को लेकर गुणवत्ता और तय कसौटियों में व्यापक लापरवाही बदस्तूर जारी रहती है।

इसी के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ-साथ विश्व भर के कई बड़े स्वास्थ्य नियामकों की ओर से भारतीय दवा निर्माताओं की गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियों को लेकर बार-बार शिकायतें और चिंता दर्ज कराई गई। मगर ऐसा लगता है भारत में सरकार और दवा कंपनियों की नींद तब तक नहीं खुलती, जब तक कोई बड़ा नुकसान नहीं हो जाता और कुछ लोगों की जान नहीं चली जाती।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों गरीब देश, आखिर रोकनी पड़ी दादागिरी

ज्ञात हो कि अफगान सेना ने 11 अक्टूबर की रात पाकिस्तान की सीमा में घुसकर सात इलाकों में भारी हथियारों से हमला किया था. अफगानिस्तान का दावा था कि इस कार्रवाई में 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 5 को हिरासत में लिया गया। अफगान सैनिकों ने पाकिस्तानी हथियार भी जब्त किए और एक सैनिक का शव अपने साथ ले गए। वहीं जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी मोर्चा संभाला, जिससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक गोलीबारी चली। ऐसे में समझने की बात यह है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों गरीब देश है ऐसे में अफगानिस्तानी लड़ाकों के पास ऐसे कौन से हथियार हैं और वो पाकिस्तानी आर्मी के सामने कितने दिन टिक पाएगा।

दरअसल यह सवाल इस कारण भी उठता है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों ही दक्षिण एशिया के ऐसे देश हैं जो लंबे समय से गरीबी, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की मार झेल रहे हैं। दोनों देशों की सीमाएं एक-दूसरे से जुड़ी हैं और दोनों पर ही पिछले कुछ दशकों में कई बाहरी ताकतों का असर पड़ा है। जहां पाकिस्तान 1947 से एक स्वतंत्र देश के रूप में अपनी सरकारें बनाता-बिगाड़ता रहा है, वहीं अफगानिस्तान में 2021 में अमेरिकी फौजों को बाहर निकालने के बाद तालिबान ने सत्ता पर कब्जा जमाया और इस्लामी अमीरात की सरकार बनाई।

अफगानिस्तान इस समय तालिबान के शासन में है। 2022 में तालिबानी सरकार ने 1 लाख 10 हजार सैनिकों की एक नेशनल फोर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा था, जो अब करीब 2 लाख तक पहुंच चुकी है। ये लड़ाके खासतौर पर पहाड़ी इलाकों और कठिन परिस्थितियों में लड़ने के लिए प्रशिक्षित हैं। गोरिल्ला युद्ध में ये माहिर हैं, यानी आम फौज की तरह नहीं, बल्कि अचानक हमले, छिपकर वार करने और तेज मूवमेंट की रणनीति अपनाने में माहिर हैं।

अफगानिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी तकनीकी कमी है। तालिबान के पास अपना कोई आधुनिक हथियार उत्पादन तंत्र नहीं है। उनके पास जो हथियार हैं, वो या तो अमेरिका से छोड़े गए हैं, या फिर रूस और सोवियत दौर के पुराने हथियारों से मिले हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, अफगान सेना के पास सैकड़ों अमेरिकी और रूसी टैंक हैं, साथ ही कुछ पुराने बख्तरबंद वाहन भी मौजूद हैं।

अफगानिस्तान के पास कोई सक्रिय फाइटर जेट नहीं है। 2016 से 2018 के बीच अमेरिका ने

उसे -29 Super Tucano नाम के हल्के अटैक एयरक्राफ्ट दिए थे, जिनकी संख्या लगभग 26 बताई जाती है। इनके पास कुछ अमेरिकी हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी हैं, लेकिन ये बहुत सीमित स्तर पर काम करते हैं। अगर बात आसमान की जंग की हो, तो अफगानिस्तान की ताकत बहुत सीमित मानी जाती है।

मिसाइल ताकत के मामले में भी अफगानिस्तान पीछे है। उनके पास सोवियत जमाने की पुरानी बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो अब तकनीकी रूप से अप्रभावी मानी जाती हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि तालिबान ने हाल के वर्षों में कुछ नए मिसाइल सिस्टम खरीदे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस देश से आए हैं। अफगानिस्तान के पास कोई आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम नहीं है, केवल कुछ शॉर्ट-रेंज एंटी-एयरक्राफ्ट गन और रॉकेट लॉन्चर हैं। हालांकि रूस की मदद से तालीबान अपने एयर डिफेंस को सुधारने की कोशिश कर रहा था।

उधर पाकिस्तान भले ही 75 साल से एक स्थापित देश हो, लेकिन वहां भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं। बार-बार तख्तापलट, सियासी खींचतान, आतंकवाद और बढ़ते कर्ज ने देश की कमर तोड़ दी है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (ढ्रख्र) से लगातार मदद मांगने वाला पाकिस्तान अब आर्थिक संकट के सबसे निचले दौर में पहुंच चुका है।

जमीन पर लड़ाई की बात करें तो अफगानिस्तान के तालिबानी लड़ाके अपनी गोरिल्ला रणनीति से दुश्मन पर भारी पड़ सकते हैं। लेकिन अगर युद्ध हवाई स्तर पर पहुंचा, तो पाकिस्तान को बढ़त मिल सकती है, क्योंकि उसके पास आधुनिक फाइटर जेट और मिसाइलें हैं। फिलहाल दोनों देशों के पास युद्ध का खर्च उठाने की हालत नहीं है, लेकिन अगर सीमा पर तनाव बढ़ता है, तो यह टकराव पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

आखिरकार हाल फ़िलहाल दोनों गरीब देश पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच कई दिनों तक चली हिंसक झड़पों के बाद दोनों पक्ष 48 घंटे के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह युद्धविराम बुधवार शाम को 6 बजे से लागू हुआ है। इसके पहले कई दिनों तक चली जमीनी और हवाई लड़ाई में दोनों पक्षों की तरफ से दर्जनों लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। 2021 में काबुल की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह हिंसा का सबसे बुरा दौर था। युद्धविराम के पहले बुधवार को दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई। इस बीच यह सवाल बना हुआ है कि ताजा युद्धविराम कितने दिनों तक चल पाएगा?

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस युद्धविराम की घोषणा करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य शत्रुता को कम करना और अस्थिर सीमा पर हाल ही में भड़की लड़ाई के बाद बातचीत का रास्ता खोलना है। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष इस मुद्दे का सकारात्मक समाधान खोजने के लिए ईमानदारी से प्रयास करने पर सहमत हुए हैं। इस्लामाबाद ने जटिल लेकिन समाधान योग्य बताया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि काबुल ने अपनी सेनाओं को युद्धविराम का पालन करने का निर्देश दिया है, लेकिन इसके लिए पाकिस्तान को आक्रामकता से दूर रहना होगा। जबीहुल्लाह ने बताया कि युद्धविराम के लिए पाकिस्तानी पक्ष ने ही आग्रह किया था। तालिबान प्रशासन ने बताया कि बुधवार सुबह पाकिस्तान की वायु सेना ने कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 12 नागरिक मारे गए। इस हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और बड़ी संख्या में घरों को नुकसान हुआ है।

जैसा पहले बताया कि संघर्ष की शुरुआत पिछले सप्ताह काबुल पर पाकिस्तान के हवाई हमले के साथ हुई, जिसमें कथित तौर पर टीटीपी चीफ नूर वली महसूद को निशाना बनाने की बात कही गई। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के सदस्य सीमा पार सुरक्षित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। हालांकि, अफगान तालिबान ने इन आरोपों से लगातार इनकार किया है और आतंकवाद को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या बताया है। तालिबान ने पाकिस्तान पर गलत सूचना फैलाने, तनाव भड़काने और अफगानिस्तान को अस्थिर करने के लिए ढ्रस्ढ्र से जुड़े आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी सेना इन आरोपों से इनकार करती है।

अफगान तालिबान के साथ ताजा टकराव पाकिस्तानी सेना के लिए शर्मिंदगी का सबब बन गया है। तालिबान लड़ाकों ने दावा किया है कि उन्होंने बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। उनके हथियार और बख्तरबंद वाहन जब्त कर लिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में तालिबान लड़ाके कथित तौर पर एक पाकिस्तानी टी-55 टैंक पर सवार होकर जाते दिखाई दे रहे हैं। तालिबान ने इस टैंक को कथित तौर पर कंधार में हुए झड़पों के दौरान कब्जे में ले लिया था। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसक झड़पों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंतित कर दिया है। चीन ने अपने नागरिकों और निवेश की सुरक्षा की अपील की है। रूस ने दोनों पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघर्ष समाप्त करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश कर दी। तालिबान के बढ़ते हमलों के बाद पाकिस्तान ने कतर और सऊदी अरब से हस्तक्षेप करने और संघर्ष को रोकने में मदद की गुहार लगाई थी ।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

सिंगनूर में अवैध हथियार फैक्ट्री पकड़ी, भारी मात्रा में निर्माण सामग्री जब्त, दो आरोपी फरार

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन के गोगांवा थाना क्षेत्र के सिंगनूर में एक अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने मौके से एक हस्तनिर्मित पिस्टल और भारी मात्रा में हथियार बनाने की सामग्री जब्त की है। हालांकि, पुलिस की दबिश की भनक लगते ही दो आरोपी भाई मौके से फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक रविंद्र वर्मा ने बताया कि पुलिस को रात में सूचना मिली थी कि सिंगनूर में तनमन सिकलीगर और उसका भाई कीरसिंग सिकलीगर अपने घर में अवैध पिस्तौल बना रहे हैं। पुलिस टीम को दूर से आते देख दोनों भाई भाग निकले। घर की तलाशी में एक हस्तनिर्मित देशी पिस्तौल और अवैध हथियार निर्माण की सामग्री मिली। दोनों भाइयों के खिलाफ आर्म्स एक्ट

के तहत मामला दर्ज किया गया है।थाना प्रभारी एम.आर. एम.डी. ने बताया कि मौके से भारी मात्रा में हथियार निर्माण सामग्री जब्त की गई है। इसमें 30 अधबनी लोहे की बैरल, एक मैनुअल ब्लोअर भट्टी, चार इलेक्ट्रिक ग्राइंडर मशीन, चार अधबनी पिस्तौल, चार हथौड़े, दो सांसी, चार धातु के पतरे, तीन मैगजीन, ड्रिल मशीन, रेती, आरी, ग्रिप प्लास्टिक के टुकड़े और लोहे का बेस प्लेट शामिल हैं। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग 60 हजार रुपये है। फरार आरोपी तनमनसिंह सिकलीगर के खिलाफ वर्ष 2023 में भी आर्म्स एक्ट का एक मामला दर्ज किया गया था। पुलिस दोनों फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

डंपर की चपेट में आया पूर्व सरपंच का बेटा, मौत, आशापुर-बैतूल हाईवे पर हादसा, टायर के नीचे दबा बाइक सवार

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा में आशापुर-बैतूल हाईवे पर गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मातापुर फाटे के समीप एक दर्दनाक हादसा हो गया। डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश भी देखने को मिला। जानकारी के अनुसार, डंपर (एमपी 47 एच 0352) पटाजन की ओर जा रहा था। मातापुर फाटे के पास मोड़ पर सामने से आ रही बाइक को उसने टक्कर मार दी। बाइक सवार मिथुन पिता पन्नालाल (30), निवासी डाभिया, डंपर के टायर के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डम्फर चालक वाहन छोड़कर

फरार हो गया। सूचना मिलते ही खालवा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने डम्फर को जब्त कर लिया है और अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपी डंपर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृतक मिथुन के परिजनों ने बताया कि वह खेत से बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। मिथुन के पिता पूर्व में डाभिया गांव के सरपंच रह चुके हैं। घटना की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों ने इस मार्ग पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर आक्रोश जताया है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर पहले भी आधा दर्जन से अधिक हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और गति नियंत्रण के उपाय करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

खेत पर करंट लगने से किसान की मौत, रबी सीजन के लिए सर्विस लाइन ठीक करने गया था

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा में गुरुवार एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। घटना सुबह करीब 9 बजे की है। वह रबी सीजन की तैयारी के बीच सर्विस लाइन को दुरुस्त करने खेत पर पहुंचा था। जहां सर्विस लाइन में एक ज्वाइंट था, भविष्य में लाइन फॉल्ट का खतरा न हो, इसलिए किसान नए सिरे से ज्वाइंट बनाने लगा। किसान को पावर ऑन है, इस बात का अंदाजा नहीं रहा और करंट ने चपेट में ले लिया।

घटना शहर से सटे नागचून ग्राम पंचायत के तहत आने वाले ग्राम बड़गांव भीला की है। किसान महावीर उर्फ गोलू राजपूत (35) अपने खेत पर गया था। परिजन के अनुसार, महावीर खेती के अलावा खंडवा की एक ईंट फैक्ट्री में मार्केटिंग और पैसा कलेक्शन का काम करते थे। महज दो एकड़ जमीन में इतनी पैदावार नहीं हो पाती कि परिवार का भरण-पोषण कर सकें, इसलिए वह खेती के साथ मार्केटिंग करते थे।

महावीर, सुबह 10 बजे ड्यूटी के लिए अपने घर से निकलते इससे पहले घर व खेती के काम निपटाते। हाल ही में खेत में सोयाबीन की फसल बोई थी, जिसमें काफी नुकसान हो गया। महावीर खेत पर सीजन की तैयारी के बीच सर्विस लाइन को ठीक करने पहुंचा। तभी सर्विस लाइन में ज्वाइंट दिखा तो फॉल्ट के अंदेशे को भांपते हुए उन्होंने तत्काल ठीक करना उचित समझा। लेकिन इस दौरान चालू लाइन होने के चलते करंट ने उन्हें चपेट में ले लिया। परिजनों ने बताया कि महावीर को खेत में कुएं के पास करंट लगा था। उसी कुएं के पास से दूसरे खेतों के लिए जाने का रास्ता है। करंट लगने के बाद महावीर जब तड़प रहा था, तभी गांव का एक बुजुर्ग किसान अपने खेत पर जा रहा था। उन्होंने महावीर को तड़पते हुए देखा लेकिन न तो उनके पास मोबाइल था कि गांव में किसी को फोन लगा दें। बुजुर्ग दौड़ते-भागते हुए गांव में पहुंचा और महावीर के बारे में सूचना दी।

परिवहन विभाग ने तीन ओवरलोड डंपर किए जब्त

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

मूंदी क्षेत्र में परिवहन विभाग ने बुधवार को ओवरलोड डंपरों के खिलाफ चैकिंग अभियान चलाया। अतिरिक्त परिवहन अधिकारी दीपक मांझी और विभाग के जयेश ठाकरे ने मूंदी रोड पर चैकिंग पाइंट लगाया। जिसमें तीन डंपर ओवरलोड मिले। उन्हें जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए मूंदी थाने भिजवाया गया है। लगातार ओवरलोड वाहनों पर होने वाली कार्रवाई से डंपर संचालकों में हडकंप मचा हुआ है। क्षेत्र से लगातार गुजरने वाली कई अवैध गाडियां भी छिप गई हैं।

शासकीय महाविद्यालयों के उन्नयन के लिए 5.81 करोड़, दो महाविद्यालयों में होंगे निर्माण कार्य

बुरहानपुर • दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर नेपानगर विधानसभा क्षेत्र के दो शासकीय महाविद्यालयों के लिए विधायक मंजू दादू की मांग पर 5 करोड़ 81 लाख 26 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। यह राशि महाविद्यालयों में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए उपयोग की जाएगी। विधायक मंजू दादू ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार से भेंट कर इन महाविद्यालयों के उन्नयन की मांग की थी। इस स्वीकृति के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री का आभार व्यक्त किया। दादू ने बताया कि यह राशि महाविद्यालयों में बाउंड्री वॉल, अतिरिक्त कक्ष, सेमिनार हॉल, डिजिटल शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खर्च की जाएगी। उन्होंने इसे %शिक्षित भारत, सशक्त भारत% के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। स्वीकृत कार्यों में शासकीय महाविद्यालय धूलकोट में बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 203.59 लाख रुपये और चार अतिरिक्त कक्षों के लिए 120.58 लाख रुपये शामिल हैं। वहीं, शासकीय महाविद्यालय खकनार में अतिरिक्त कक्ष और सेमिनार हॉल निर्माण के लिए 257.09 लाख रुपये की राशि दी गई है।

शाहपुर-बुरहानपुर मार्ग सुधार, राष्ट्रीय राजमार्ग पर सालों से अटका था काम, 1.25 करोड़ की लागत से होगा सौंदर्यीकरण

बुरहानपुर • दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर और शाहपुर से गुजरने वाले पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग की सुधार कार्य शुरू हो गया है। गुरुवार दोपहर विधायक अर्चना चिटनिस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ शाहपुर निर्माण स्थल पर पहुंचीं और काम की शुरुआत की। उन्होंने काम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक अर्चना चिटनिस ने पहले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर इस पुराने मार्ग को सुधारने और राज्य सरकार को सौंपने की मांग की थी। उनकी मांग पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने काम शुरू किया है। शाहपुर और बुरहानपुर में सड़क उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। कार्य पूरा होने के बाद यह मार्ग राज्य सरकार को सौंपा जाएगा। विधायक अर्चना चिटनिस ने इसे क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि इससे व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे।

साधारण सम्मेलन में कांग्रेस पार्षदों का हंगामा जेसीबी के फावड़े पर बैठकर पहुंचे कांग्रेसी

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा नगर निगम के साधारण सम्मेलन में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस के पार्षद अनोखे अंदाज में छ्रष्टक्क मशीन के फावड़े पर बैठकर निगम परिसर पहुंचे और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। सदन के अंदर कांग्रेस ने नर्मदा जल योजना, सफाई व्यवस्था और ठेकों में गड़बड़ी जैसे मुद्दों पर सत्ता पक्ष को घेरा, जिससे बैठक में तीखी बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने नर्मदा जल योजना में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता को शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है। उन्होंने पाइपलाइन फूटने पर कंपनी को दिए गए 14 करोड़ रुपए पर भी सवाल उठाए, जिसको लेकर सदन में काफी देर तक तीखी बहस चलती रही। कांग्रेस पार्षद बबलू पटेल ने स्वच्छ भारत अभियान में नगर निगम के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए शहर की सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताया।

विराट और रोहित का पर्थ में अभ्यास

पर्थ (एजेंसी) • विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पर्थ पहुंचते ही जमकर अभ्यास किया और रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान नेट्स पर काफी पसीना बहाया। सभी की निगाहें रोहित और कोहली पर हैं, जो पिछली बार भारत के लिए फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेले थे और अब केवल 50 ओवर के प्रारूप में ही उपलब्ध हैं। दोनों पूर्व भारतीय कप्तान ने नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। भारतीय टीम 29 अक्तूबर से शुरू होने वाले तीन वनडे और पांच टी-20 मैच के सीमित ओवरों के दौरे के लिए बुधवार और गुरुवार को दो ग्रुप में पर्थ पहुंची। रोहित को नेट्स में समय

बिताने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत करते भी देखा गया। नेट सत्र के बाद कोहली को गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के साथ बातचीत करते

देखा गया, जिसके बाद उन्होंने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ भी बात की। टीम का शुक्रवार और शनिवार को एक ट्रेनिंग सत्र है।

वृंदावन पहुंचे कुलदीप ने किये बांके-बिहारी के दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी) • वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आजकल वृंदावन में हैं। कुलदीप खेल के बाद जब भी समय मिलता है सीधे वृंदावन पहुंच जाते हैं। कुलदीप ने सोशल मीडिया में इसकी तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में कुलदीप बांके-बिहारी लाल मंदिर में नजर आ रहे हैं। वह वृंदावन की कुंजी गलियों में भक्ति मार्ग पर चलते नजर आ रहे हैं। साथ में उन्होंने लिखा है, राधे-राधे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में कुलदीप ने आठ विकेट लिए थे। अब वह ऑस्ट्रेलिया में 29 अक्टूबर से शुरू होने वाली पांच मैच की टी-20 सीरीज में खेलते हुए नजर आयेंगे।

जैसे ही मंदिर में लोगों ने कुलदीप को देखा उनका उत्साह बढ़ गया। चारों ओर 'राधे-राधे' और 'बांके बिहारी लाल की जय' के जयकारे गूंजने लगे। कुलदीप भी हाथ जोड़कर सभी को 'राधे-राधे' कहते दिखे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज से पहले कुलदीप का यह दौरा दिखाता है कि वह कितने आस्थावन हैं। वह आम तौर पर किसी बड़े टूर्नामेंट या सीरीज से पहले मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लेते हैं। मंदिर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे पर कुलदीप ने बिना किसी विशेष व्यवस्था के आम श्रद्धालु की तरह ही दर्शन किए।

अश्विन के होने से बीबीएल का आकर्षण बढ़ेगा - शास्त्री

सिडनी (एजेंसी) • भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन 16 दिसंबर को सिडनी थंडर की ओर से बिग बैश लीग (बीबीएल) में डेब्यू करेंगे। अश्विन पूरे बीबीएल सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनकी टीम का पहला मैच हॉबार्ट हरिकेंस से होगा। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री के अनुसार अश्विन के होने से लीग का आकर्षण बढ़ेगा। साथ ही कहा कि ये पहली बार होगा जब कोई 600 विकेट देने वाला खिलाड़ी लीग में खेलता दिखेगा। अश्विन इस लीग में खेलने वाले पहले भारतीय होंगे। भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान अनमुक्त चंद ने इस लीग में खेला है पर वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं थे। शास्त्री के अनुसार अश्विन के होने से लीग का स्तर बढ़ेगा और युवा बल्लेबाजों को स्पिन के खिलाफ खेलने का बेहतर अनुभव मिलेगा। अश्विन से कुछ अन्य टीमों ने भी संपर्क किया था पर डेविड वॉर्नर की सिडनी थंडर ने उनके साथ पूरे सत्र के लिए करार किया जो उन्होंने स्वीकार कर लिया।

सिने जगत

फिल्म 'दि ताज स्टोरी' का ट्रेलर रिलीज

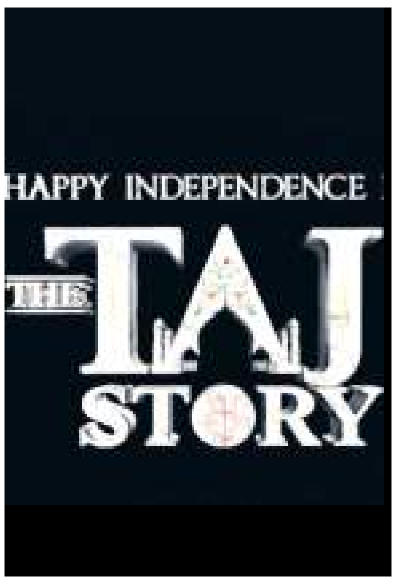

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेता की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म दि ताज स्टोरी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रालि और सीए सुरेश झा की प्रस्तुति, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल द्वारा अभिनीत फिल्म दि ताज स्टोरी का बहुप्रतीक्षित, दमदार और प्रभावशाली ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है। इस फिल्म में परेश रावल, विष्णु दास नामक एक ऐसे गाइड की भूमिका में नज़र आ रहे हैं, जो ताजमहल के पीछे की सच्चाई जानने की जिज्ञासा रखते हैं, और उनकी ये जिज्ञासा उन्हें एक ऐसे रास्ते पर ले जाती है, जहाँ सदियों पुराने विश्वासों को चुनौती मिलती है और दबे हुए सच सामने आते हैं। ट्रेलर में परेश रावल और जाकिर हुसैन के बीच होने वाली तीखी बहसें दिखाई गई हैं, जहां एक व्यक्ति का साहस पूरी क़ौम के अंतःकरण को झकझोर देने की ताकत रखता है। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, इसमें कई अहम किरदार सामने आते हैं, जो 'सच्चाई बनाम धारणा' की इस बहस का हिस्सा बनते हैं।

राघव, शाहरुख और सुहाना की फिल्म किंग में भी आएंगे नजर

मुंबई (एजेंसी) • एक्टर राघव जुयाल अब शाहरुख खान और सुहाना खान की फिल्म किंग में भी नजर आने वाले हैं। राघव शाहरुख खान के पूरे परिवार के साथ काम करने वाले पहले कलाकार बन गए हैं। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी उनकी पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में राघव जुयाल ने अपनी दमदार परफॉरमेंस से ऑडियंस का दिल जीत लिया। इस पर राघव ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब तो वो मुझे अडॉप्ट करने वाले हैं। राघव ने बताया कि सेट पर उनकी और आर्यन की बॉन्डिंग बेहद खास थी। उन्होंने कहा, मेरा और आर्यन का कॉम्बिनेशन बहुत डेडली है। हम ज़्यादातर सीन सेट पर ही बना लेते थे। कॉमेडी को लेकर हमारी सोच बहुत मिलती है। आर्यन बाकी एक्टर्स को सीन दिखाकर समझाते थे, लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं करते थे। शायद उन्हें मुझ पर बहुत भरोसा था। राघव ने ये भी बताया कि 'किल' के बाद उनके पास करीब 400 स्क्रिप्ट्स आई, लेकिन उन्होंने हर प्रोजेक्ट को सोच-समझकर चुना।

उज्जैन संभाग

डोरेमॉन पहुंचा महाकाल के गर्भगृह में...गार्ड को जूते पहने दिखाया; प्रशासक बोले-वायरल करने वाले पर एक्शन होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • महाकाल मंदिर का एक एआई वीडियो सामने के बाद पुजारियों, श्रद्धालुओं और मंदिर समिति ने आपत्ति जताई है। वीडियो में कार्टून कैरेक्टर डोरेमॉन महाकाल मंदिर के अंदर जाता हुआ दिखाई दे रहा है।

इसके बाद गर्भगृह की डेहरी पर जूते पहने खड़ा गार्ड डोरेमॉन को गर्भगृह में जाने से रोकता नजर आ रहा है। इसी वीडियो में मंदिर परिसर में 250 रुपए के पास बेचता डोरेमॉन को बेचता एक युवक भी दिखाई दे रहा है।

महाकाल मंदिर की दर्शन व्यवस्था को लेकर बनाए गए एआई वीडियो में डोरेमॉन महाकाल मंदिर में प्रवेश करता दिखाई देता है। इसके बाद वह सीधे गर्भगृह में जाने की कोशिश करता है। इस दौरान गर्भगृह के बाहर खड़ा मंदिर का गार्ड जूते पहने हुए दिखाई देता है। वह डोरेमॉन को रोककर कहता है कि अंदर जाने के लिए गैजेट नहीं, वीआईपी पास लगता है।

इसके बाद एक युवक मंदिर के बाहर स्टॉल लगाकर 250 रुपए के पास बेचते हुए नजर आता है। डोरेमॉन के पास खरीदने के बाद उसे गर्भगृह में दर्शन करते हुए दिखाया गया है। आखिर में डोरेमॉन को जेल से निकलते हुए दिखाया गया है।

गार्ड को गर्भगृह के बाहर जूते पहने हुए दिखाया

AI जनरेटेड वीडियो को लेकर कई लोग आपत्ति दर्ज करा रहे हैं। वीडियो में गार्ड को गर्भगृह के बाहर जूते पहने हुए बताया है। ढाई सौ रुपए के पास को स्टॉल पर बेचते हुए दिखाया। इसके बाद डोरेमॉन को गर्भगृह के अंदर दर्शन करते दिखाया है।

जबकि न तो जूते पहनकर कोई गर्भगृह के पास चांदी द्वार तक जाता है और ना ही 250 रुपए में गर्भगृह में एंट्री मिलती है। ना ही 250 रुपए वाले पास को इस तरह से स्टॉल लगाकर बेचा जाता है। वीडियो के वायरल होने के बाद मंदिर प्रशासक ने कार्रवाई की बात कही है। मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने कहा- यह वीडियो मंदिर की छवि खराब करने वाला है। वीडियो को वायरल करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महाकाल मंदिर में दीपावली की तैयारियां शुरू, गर्भगृह में चांदी के रुद्र यंत्र और दरवाजों की सफाई जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर में दीपावली महापर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थित चांदी के रुद्र यंत्र और दीवारों की सफाई का काम बुधवार से प्रारंभ हुआ है।इस सफाई अभियान के तहत जलाधारी, देहरी पर लगे चांदी के दरवाजे और नंदी हॉल के दरवाजों को भी चमकाया जाएगा।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में दीपावली का पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। महापर्व के लिए रंग-रोगन और साज-सज्जा के साथ ही गर्भगृह के शिखर में स्थित रुद्र यंत्र, चांदी की दीवारें और नंदी हॉल के दरवाजों की सफाई दिल्ली के भक्त सुशील शर्मा के माध्यम से कारीगरों द्वारा की जा रही है।

संभावना है कि यह काम शुक्रवार तक पूरा हो जाएगा, जिसके बाद मंदिर के चांदी के दरवाजे और गर्भगृह की दीवारें चमक उठेंगी। उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर में शिवरात्रि, श्रावण मास और दीपावली जैसे महापर्वों के दौरान चांदी की दीवारों, यंत्रों और दरवाजों की नियमित रूप से सफाई और पॉलिश की जाती है।

दो जगह भीषण आग, लाखों का नुकसान दोना-पत्तल फैक्ट्री में कागज से भड़की आग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • उज्जैन में बीती रात दो अलग-अलग जगहों पर भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। रात करीब 3ः30 बजे शंकरपुर के करोंदिया क्षेत्र में दोना-पत्तल बनाने की फैक्ट्री सांवरिया इंटरप्राइजेज में आग भड़क उठी। फैक्ट्री में कच्चा माल (कागज) होने के कारण आग काबू में नहीं आ रही थी। तब 12 दमकल लगाई गईं, जिन्होंने करीब 6 घंटे में आग पर काबू पाया। दोनों घटनाओं में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। फैक्ट्री के संचालक सुनील व्यास ने बताया कि रात को आग की सूचना मिली थी। तुरंत दमकल को सूचित किया। एक दर्जन से अधिक गाड़ियों ने 6 घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया है। आग से करीब 25 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। फैक्ट्री में दोने, पत्तल का कागज रखे होने के कारण आग पर काबू पाने में ज्यादा समय लग गया। हालांकि अब आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है।

देवास गेट बस स्टैंड के पास स्थित अशोक ट्रैवल्स के ऑफिस और गोदाम में रात करीब 2

बजे आग लग गई। जिसमें ऑफिस, गोदाम, कंप्यूटर, लैपटॉप, टिकट रजिस्टर और पार्सल सहित लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया जा रहा है।

ट्रैवल्स के संचालक अशोक शर्मा ने बताया कि रात में पुलिसकर्मियों ने आग लगती देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है।

महाकाल मंदिर में मिलेंगे स्वास्थ्यवर्धक रागी के लड्डू, दीपावली से होगी शुरुआत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर देश का पहला मंदिर रहेगा, जहां पर श्रीअन्नम् रागी लड्डू प्रसाद मिलेंगे। दीपावली पर श्री महाकालेश्वर को भोग लगाकर इसकी शुरुआत की जाएगी। रागी के लड्डू में ड्रायफ्रूट मिलाकर महाकाल मंदिर से ही बेचा जाएगा। खास बात ये कि मंदिर समिति लड्डुओं को नो प्रॉफिट-नो लॉस में बेंचेगी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि इसी दिवाली से रागी के लड्डुओं की शुरुआत की जाएगी। फिलहाल लड्डू अन्न क्षेत्र में बनाए जाएंगे, श्रद्धालुओं के सेहत को ध्यान में रखते हुए रागी के लड्डुओं का निर्णय लिया गया है। जिसे महाकाल मंदिर समिति देसी घी गुड़ और ड्रायफ्रूट से बनवाएगी।

यह लड्?डू मंदिर के सभी दान काउंटर के पास श्रद्धालुओं को मिल सकेगा। फिलहाल प्रति माह 50 क्विंटल बनाने की योजना है।

श्री अन्नम् रागी लड्डू प्रसाद से ये होंगे फायदे-हड्डियों को मजबूती रागी में कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस होता है, जो हड्डियों को मजबूत करता है। इससे आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया को रोकने में मदद मिलती है। रागी के लड्डू ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं।

इनमें मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और एजिंग के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं। रागी से थकान दूर होती है और शरीर सक्रिय रहता है।

रिटायर्ड जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र भदौरिया के परिवार के बैंक खातों में 1.26 करोड़ और मिले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • पूर्व जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के यहां लोकायुक्त इंदौर ने 15 अक्टूबर को छापे मारे थे। छापेमारी के दौरान जारी जांच में और भी संपत्ति मिल रही हैं। कुल संपत्ति अब 20 करोड़ 24 लाख के पार हो गई है।

सर्च में अभी जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त राजेश सहाय के निर्देशन में गुरुवार को बैंक खातों की जानकारी ली गई। उनके और परिवार के खातों में कुल 1 करोड़ 26 लाख 31 हजार 13 रुपए जमा मिले। कुल 21 बीमा और अन्य पॉलिसी भी मिली हैं जिनमें 13 लाख 90 हजार 648 रुपए की किस्त भरी गई है। पत्नी के नाम बैंक ऑफ बड़ौदा में लॉकर पाया है। कुल 4 लॉकर विभिन्न बैंकों में मिले हैं। खातों को और लॉकर को फ्रीज कराया गया है जो आरोपी की मौजूदी में खोले जाएंगे। बेटे सूर्यांश भदौरिया की विशाल पंवार के शिवा चाइनीज वॉक में भी पार्टनरशिप मिली है। इसमें अन्नपूर्णा और विजयनगर की शॉप में 40% हिस्सेदारी है। इसके एवज में विशाल को 25 लाख रुपए सूर्यांश ने दिए हैं। इस प्रकार अभी तक कुल 20 करोड़ 24 लाख 55 हजार 169 रुपए की चल अचल संपत्ति धर्मेंद्र भदौरिया की पाई गई है। अभी भी जांच जारी है। भदौरिया के एक ही फ्लैट से 12.51 करोड़ की संपत्ति मिली है। इसमें नकदी- फ्लैट नंबर 201 कैलाशकुंज पलासिया इंदौर से जहां आरोपी

धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया भी मौजूद थे। यहां पर 1 करोड़ 13 लाख 13 हजार 612 रुपए नगदी (कैश) मिला है। सोना- कुल 5,48,79,930 /- रुपए कीमत का 04 किलो 221 ग्राम सोना मिला। चांदी- आवास से 8,08,086/- रुपए कीमत की 07 किलो 128 ग्राम चांदी जप्त की गई। मंहगी घड़ियां, वाहन, साडियां- कुल 2,23,27,930/- रुपए की अन्य सामग्री वाहन, साडी, घड़ियां, हथियार, परफ्यूम, फर्नीचर आदि तलाशी पर पाया गया। इस प्रकार आवास क्रमांक 201 से 9,66,01,558/- रुपए की चल/अचल सम्पत्ति प्राप्त हुई है। भूमि आदि के दस्तावेज प्राप्त हुए है। 3 लॉकर भी बैंकों में होना पाया है। बैंक खाते व बीमा पॉलिसीयां भी प्राप्त हुई है। जब्त किए डॉक्यूमेंट्स में से 2.85 करोड़ उधार देने का एक एग्रीमेंटट मिला है। इसके मुताबिक, बेटे सूर्यांश और बेटी अपूर्वा ने जितेन्द्र चौधरी नामक शख्स को लगभग ये रकम उधार दी है। बैंक दस्तावेजों से भी इसकी पुष्टि हो रही है। इस प्रकार आवास क्रमांक 201 से कुल 12 करोड़ 51 लाख 1 हजार 558 रुपए व्यय किए जाने के प्रमाण मिले हैं। फ्लैट कमांक 402 किराए पर दिया जाना पाया गया है। फ्लैट क्रमांक 403 में पुत्री अपूर्वा व दामाद रहते पाए। तीनों फ्लैटों की गाइडलाइन अनुसार अनुमानित कीमत 1 करोड़ 92 लाख रुपए पाई गई है।

अन्य संपत्तियों में यह सब मिला

यवि ग्रीन स्कीम नंबर 114 इंदौर स्थित फ्लेट कमांक एफ-401 पुत्री अपूर्वा के नाम से पाया गया, है। इसमें द डिजाईन चैलेंज व मूवी से संबंधित फर्नीचर व डेकोरेशन पाया गया। फ्लैट कुल 50 लाख 32 हजार रुपए का पाया गया है। यहां लोकायुक्त निरीक्षक आशुतोष मिठास के नेतृत्व में लोकायुक्त दल द्वारा सर्चिंग की गई थी। भदौरिया की काउंटीवॉक इंदौर में 4700 वर्गफीट के भूखंड पर तीन मंजिला कोठी निर्माणाधीन है। यह आवास 3 करोड़ 36 लाख 73 हजार रुपए कीमत का पाया गया है। यहां लोकायुक्त निरीक्षक रेणू अग्रवाल के नेतृत्व में सर्चिंग की गई। बिजनेस स्कीम पार्क स्थित विभिन्न कार्यालयों की भी सर्चिंग की गई, जिसमें विभिन्न दस्तावेज जब्त हुए हैं। यहां चार दल डीएसपी लोकायुक्त आनन्द चौहान, उप पुलिस अधीक्षक दिनेशचन्द्र पटेल, निरीक्षक प्रतिभा तोमर व निरीक्षक दीपक सेजवार के नेतृत्व में सर्चिंग की गई। ग्वालियर में धर्मेन्द्र भदौरिया का पैतृक आवास होना पाया गया है, जो 160 बाय 80 वर्गफीट है। यहां पर 22 लाख 78 हजार रुपए की चल/अचल संपत्ति मिली है।

यातायात पुलिस की हेल्पलाइन ने शिकायत निराकरण में किया 500 का आंकड़ा पार

शहर में बेहतर यातायात हेतु जागरूक नागरिकों ने की भागीदारी.. पुलिस भी हरसंभव प्रयास कर निभा रही अपनी जिम्मेदारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में सुगम सुरक्षित व सुखद यातायात हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर के निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में इंदौर यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर - 7049107620 जारी किया गया है। उक्त हेल्पलाइन पर कल 15.10.25 को ट्रैफिक पुलिस को कुल 15 शिकायते प्राप्त हुई, जिनमें से 12 का त्वरित निराकरण कर दिया। कल कुछ इस प्रकार की शिकायते आई- 1. रोड़ पर कंस्ट्रक्शन का सामान रेत/गिट्टी आदि पड़ा होने से यातायात अवरुद्ध संबंधी। 2. रोड़ पर डिवाइडर और बेरिकेट्स व्यवस्थित करने के संबंध में। 3. लेफ्ट टर्न बाधित करने संबंधी।

4. ई रिक्शा व ऑटो/ठेले आदि के बेतरतीब खड़े होने के कारण जाम। 4. वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लघंन कर तेज गति से वाहन चलाने। 5. रॉन्ग साइड वाहन चलाकर वन वे का पालन नही करने । 6. नो-पार्किंग में रोड़ साइड व दुकानों के सामने खड़े वाहनो से यातायात अवरुद्ध होना। 7. जगह जगह जाम लगने के संबंध में।

उक्त 15 शिकायतों में उल्लेखित समस्याओ पर त्वरित कार्यवाही कर 12 का समाधान किया गया व नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई है, शेष 03 में भी कार्यवाही की जा रही हैं। उक्त हेल्पलाइन शुरू होने से लेकर कल तक में कुल 526 शिकायत प्राप्त हुई जिनमे से 501 शिकायतो का त्वरित निराकरण किया गया है, शेष 25 शिकायतों पर भी कार्यवाही की जा रही है।

जबलपुर में होगी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बड़ी बैठक

30 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस तीन दिवसीय बैठक में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत और 46 प्रांतों के प्रांत संघचालक करेंगे शिरकत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिवर्ष होने वाली अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक इस संघ शताब्दी वर्ष में मध्य प्रदेश के महाकौशल प्रांत में जबलपुर में होगी।

यह बैठक 30-31 अक्टूबर और 1-नवंबर तक चलेगी। अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल में संघ रचना के सभी 46 प्रांतों के प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारक एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारक शामिल होंगे। इस बैठक में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले तथा

सभी छह सह सरकार्यवाह एवं अन्य अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुखों सहित के कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। संघ के शताब्दी वर्ष का शुभारंभ हाल ही में संपन्न विजयादशमी के पावन पर्व पर नागपुर सहित देशभर में आयोजित विशेष उत्सवों से हुआ है।

इस अवसर पर सरसंघचालक के उद्बोधन में प्रस्तुत महत्वपूर्ण मुद्दों पर इस बैठक में चर्चा होगी। बैठक में शताब्दी वर्ष के सभी कार्यक्रमों की अभी तक

तैयारियों की समीक्षा भी होगी। बैठक में सभी प्रांत अपनी शताब्दी योजनाओं के संदर्भ में विस्तृत वृत्त एवं विवरण प्रस्तुत करेंगे। वर्तमान समय के समसामयिक विषयों पर उपस्थित कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक विचार-विमर्श भी बैठक का महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगा । हमेशा की तरह वर्ष 2025-26 की निर्धारित वार्षिक योजना की समीक्षा तथा संघ कार्य के विस्तार का चर्चा की जाएगी।

दुकान की जगह को लेकर जमकर बवाल, खूब चले डंडे और लात-घूंसे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • ऐतिहासिक राजवाड़ा क्षेत्र में गुरुवार को एक बार फिर मारपीट का वीडियो सामने आया है। त्योहार के बीच अस्थायी दुकान लगाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस झगड़े का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें महिला और पुरुष एक-दूसरे पर लात-घूंसे और लाठ-डंडों से हमला करते दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि मारपीट के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग चीखते-चिल्लाते हुए एक-दूसरे पर टूट पड़े, वहीं आसपास मौजूद राहगीर तमाशबीन बनकर घटना को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते रहे। बताया जा रहा है कि, यह विवाद दुकान लगाने की जगह को लेकर हुआ था। सराफा सर्कल के एसीपी हेमंत चौहान ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी पुलिस को मिली है। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन पुलिस वीडियो की जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश में है कि घटना वास्तव में राजवाड़ा क्षेत्र की ही है या नहीं।

गौरतलब है कि राजवाड़ा इंदौर का सबसे व्यस्त इलाका है। दीपावली नजदीक आने के कारण यहां फुटपाथ और सड़कों पर अस्थाई दुकानों की भरमार हो गई है। प्रशासन ने क्षेत्र को नो-व्हीकल ज़ोन घोषित किया हुआ है। बावजूद इसके यहां प्रतिदिन भारी भीड़ और अव्यवस्था देखने को मिलती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहारों के दौरान राजवाड़ा में दुकान लगाने को लेकर अक्सर इस तरह के विवाद होते रहते हैं। कुछ दिन पहले भी इसी इलाके में दो पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। उस घटना में भी एक-दूसरे पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकी गई थीं।

टायर दुकान में लगी आग देर रात दमकल की तीन गाड़ियों में पाया काबू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • ट्रांसपोर्ट नगर में एक टायर की दुकान में गुरुवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए देर रात आसपास की दुकानों को खाली कराया गया और दुकानदारों को मौके पर बुलाया गया। एसआई संतोष दुबे के मुताबिक, रात करीब 1 बजे ट्रांसपोर्ट नगर स्थित पेट्रोल पंप के पीछे आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को मिली। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां रवाना की गईं। मौके पर कुल तीन दमकलें पहुंचीं। शुरूआती दो घंटे में आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया था और फिर सुबह 4 बजे तक पूरी तरह से आग बुझा दी गई। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के अनुसार, जिस जगह आग लगी वहां शेड के नीचे नई और पुरानी टायर की कई दुकानें हैं। कुछ दुकानों में टायर मोल्डिंग (ढालने) का काम भी होता है। कर्मचारियों ने बताया कि पिछले साल दीपावली के समय भी इसी इलाके में बड़ी आगजनी की घटना हुई थी। इस बार लगी आग में पुराने टायर और दुकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गया।

अधिकांश क्षेत्रों में एक्यूआई की खराब श्रेणी मे

छोटी ग्वालटोली, पोलोग्राउंड, धनवंतरी नगर में 160 से ज्यादा एक्यूआई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भारत के सबसे स्वच्छ शहरों में शुमार इंदौर में दीपावली से पहले हवा जहरीली हो रही है, लगातार एक्यूआई बढ़ रहा है और कुछ क्षेत्रों में तो 200 तक पहुंच रहा है। सबसे ज्यादा मध्य शहर की हवा खराब बताई जा रही है। वहीं पोलोग्राउंड, धनवंतरी नगर, छोटी ग्वालटोली, एयरपोर्ट रोड की हवा भी खराब स्थिति में है । पिछले कुछ हफ्तों से हवा की गुणवत्ता लगातार बिगड़ रही है। पीएम10 और एम2.5 जैसे कणों की मात्रा बढ़ गई है। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 100 के पार चला गया है, जो सितंबर में 50 से नीचे था। इसकी मुख्य वह सड़क की धूल, गाड़ियों की बढ़ती संख्या और चल रहे निर्माण कार्य हैं।

आंकड़ों के मुताबिक इस हवा लगातार बिगड़ रही है और पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई सबसे ज्यादा 150 से ज्यादा बना हुआ है। गुरुवार को ही सबसे ज्यादा 166 दर्ज किया गया। महीने की शुरुआत में हवा की गुणवत्ता संतोषजनक थी, लेकिन 8 अक्टूबर से एक्यूआई लगातार 100 से ऊपर रहा, जो मध्यम श्रेणी में आता है। रात में तो यह 200 के ऊपर पहुंच रहा है।

शहर में एक्यूआई की स्थिति

10 से 16 अक्टूबर के बीच एक्यूआई के आंकड़े क्रमश : 185, 176, 167, 151, 171, 176 और 203 तक दर्ज हुआ है। यह समझना जरूरी है कि 0-50 एक्यूआई अच्छा, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम और 200 से ऊपर खराब हवा की गुणवत्ता को दर्शाता है। पिछले साल अक्टूबर में, शहर का मासिक औसत एक्यूआई 92.5 था, जो इस साल कणों की मात्रा में साल-दर-साल वृद्धि दिखाता है। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व मुख्य रसायनज्ञ डॉ. दिलीप वाघेला ने बताया कि इस स्थिति के लिए मुख्य रूप से पीएम 2.5 (बारीक कण) और पीएम10 (मोटे कण) जिम्मेदार हैं।

एमवायएच और एमटीएच में आउटसोर्स कर्मचारियों ने काम बंद किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • एमजीएम मेडिकल कॉलेज से संबद्ध एमवायएच और एमटीएच महिला अस्पताल के आउटसोर्स कर्मचारियों ने गुरुवार को काम बंद हड़ताल कर दी। इससे दोनों अस्पतालों की व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई। बताया गया कि इन कर्मचारियों को दीपावली के पूर्व वेतन, एरियर और बोनस देने का वादा किया था, लेकिन इसमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। इस पर सभी आउटसोर्स कर्मचारी सुबह एमवायएच के गेट पर और एमटीएच में भी मुख्य गेट के सामने आकर बैठक गए। इस दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों ने अस्पताल प्रबंधन और कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भुगतान में देरी से त्योहार पर घर चलाना मुश्किल- कर्मचारियों का कहना था कि प्रशासन ने उन्हें 10 अक्टूबर तक वेतन और 15 अक्टूबर तक एरियर व बोनस देने का आश्वासन दिया था, जो पूरा नहीं किया गया। उनका कहना है कि भुगतान में देरी से त्योहार पर घर चलाना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों ने

प्रशासन से तत्काल कार्रवाई और बकाया राशि चुकाने की मांग की है। सुबह करीब 9.30 बजे से शुरू हुई काम बंद हड़ताल रात तक जारी थी। कुछ कर्मचारियों के काम पर लौटने से प्रबंधन को थोड़ा सहारा जरूर मिला, लेकिन अस्पताल की सुरक्षा और सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हो गई। आश्वासन मिला है कि शुक्रवार को राशि जारी कर दी जाएगी, इससे कर्मचारियों को वेतन मिल जाएगा। भुगतान एमजीएम मेडिकल कॉलेज से नहीं किया गया है।

200 करोड़ की प्रॉपर्टी, आलीशान घर और 2 गुट

किन्नरों में नंदलालपुरा डेरे पर कब्जे की लड़ाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जिले में किन्नरों के दो गुट आमने-सामने हैं। इनमें से एक गुट के 24 किन्नरों ने बीते बुधवार को फिनाइल पी लिया और उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो देख पुलिस किन्नरों के अड्डे तक पहुंची और सभी को अस्तपाल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जब मामला मीडिया में आया तो बवाल मच गया। जिले के जनप्रतिनिधियों ने इस संबंध में पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की और जांच की मांग की। हालांकि, किन्नरों के फिनाइल पीने की वजह 200 करोड़ की प्रॉपर्टी है, जहां आलीशान मकान, गाड़ियां और कीमती ज्वेलरी हैं, जिसका विवाद दोनों गुटों में चल रहा है।

किन्नरों के फिनाइल पीने के मामले में पुलिस ने [illegible] दर्ज करते हुए चार लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें एक किन्नर गुट की नेता सपना हाजी, तथाकथित पत्रकार अक्षय कुमायूं, पंकज जैन और एक अन्य शामिल हैं। पुलिस ने सपना हाजी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि आरोपी लंबे समय से दूसरे गुट के किन्नरों को धमकाते और आर्थिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे, जिसके चलते यह घटनाक्रम हुआ।

घटना के बाद देशभर में किन्नर समाज में आक्रोश फैल गया। अखिल भारतीय किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर इस पूरे घटनाक्रम पर गहरा दुख जताया और सपना हाजी सहित अन्य आरोपियों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि समाज में फूट डालने और लालच के चलते इंदौर जैसे शहर में किन्नर समाज की छवि धूमिल की जा रही है। वहीं, दूसरे गुट की किन्नर पायल हाजी और उनके समर्थक गुरुवार को [illegible] नेताओं के साथ इंदौर पुलिस कमिश्नर से मिले। उन्होंने भी सपना हाजी और उसके साथियों पर धमकाने, मारपीट करने और डेरे से निकालने के आरोप लगाए। जानकारी के अनुसार, विवाद की जड़ करीब 200 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी है। मुख्य गुरु की मौत के बाद नंदलालपुरा स्थित डेरे की गद्दी पर पायल गुरु को बैठाया गया था, जबकि सपना हाजी को डेरे से निकाल दिया गया था। नंदलालपुरा डेरे में रहने वाले किन्नरों के पास आलीशान मकान, गाड़ियां और कीमती ज्वेलरी हैं। 200 करोड़ की प्रॉपर्टी को लेकर दोनों गुटों में संघर्ष जारी है। प्रॉपर्टी विवाद के साथ-साथ डेरे में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के भी आरोप सामने आए हैं। अधिवक्ता सचिन सोनकर ने आरोप लगाया कि मुस्लिम किन्नर, हिंदू किन्नरों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहे हैं और मना करने पर एचआईवी का इंजेक्शन लगाने की धमकी दे रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।